पी र जी ऐ नंबर। TGHIN/26/A7665

श्वेता विजन

"नजरिया साफ, खघ्बरें निष्पक्ष"

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शनिवार 10 अक्टूबर 2026 हैदराबाद से प्रकाशित WEB SITE : Shwetha.co.in संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी पुष्ट – 1 | अंक – 25 | वर्ष – 8 | मूल्य – 3रु

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ सिविल जज सह सचिव डीएलएसए ए. श्रीदेवी 2

अमित शाह पर टिप्पणी मामलाः राहुल गांधी के खिलाफ बहस पूरी, इस दिन निर्णय की तारीख संभव

सुलतानपुरः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शुक्रवार को एमपी–एमएलए कोर्ट में अंतिम बहस पूरी हो गई. इस दौरान प्रतिवादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने अदालत के समक्ष अपनी अंतिम दलीलें पेश कीं.वादी भाजपा नेता विजय मिश्रा के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि शुक्रवार को मामले में अंतिम बहस के लिए पत्रावली नियत थी और उन्होंने अपनी सुनवाई पूरी कर ली. उन्होंने कहा कि पिछली सुनवाई में प्रतिवादी पक्ष की ओर से लिखित बहस दाखिल की गई थी. उनके अनुसार, लिखित बहस के पैरा 17 और 18, खासकर पैरा 18 में घटना और बचाव पक्ष ने भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के अपवाद संख्या 9 का हवाला देते हुए कहा कि कथित बयान सदभावना में दिया गया अभियुक्त पक्ष पर है.दोष सिद्धि की मांगअधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत में कहा कि बयान दुर्भावनापूर्ण मानसिकताथा और इसका उद्देश्य किसी की मानहानि करना नहीं था. इस को दोषी ठहराने की मांग की. मामले में अंतिम बहस पूरी हो चुकी है और वादी पक्ष ने अपनी विधिक व्यवस्था भी दाखिल कर दी है. बचाव पक्ष को अपनी विधिक व्यवस्था प्रस्तुत करने के लिए समय दिया गया है.12 अक्टूबर को सुनवाईराहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय अपनी बहस पूरी कर चुके हैं. अब सोमवार 12 अक्टूबर को राहुल गांधी की ओर से बहस की जाएगी. इसके बाद मामले में निर्णय की तारीख निर्धारित होने की संभावना है.पर वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने कहा कि घटना स्वीकार किए जाने के बाद अब इसे साबित करने का भार अभियुक्त पक्ष पर है.दोष सिद्धि की मांगअधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत में कहा कि बयान दुर्भावनापूर्ण मानसिकता के साथ दिया गया था. उन्होंने अदालत से अभियुक्त को दोषी ठहराने की मांग की. मामले में अंतिम बहस पूरी हो चुकी है और वादी पक्ष ने अपनी विधिक व्यवस्था भी दाखिल कर दी है. बचाव पक्ष को अपनी विधिक व्यवस्था प्रस्तुत करने के लिए समय दिया गया है.12 अक्टूबर को सुनवाईराहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय अपनी बहस पूरी कर चुके हैं. अब सोमवार 12 अक्टूबर को राहुल गांधी की ओर से बहस की जाएगी. इसके बाद मामले में निर्णय तारीख निर्धारित होने की संभावना है

'राष्ट्रपति ने वोट चोरी का खंडन नहीं किया, हमसे सबूत मांगे', ब्ब के खिलाफ ज्ञापन सौंपकर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली : 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की.इस दौरान नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्ब) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग की. साथ ही विपक्ष ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में गड़बड़ियां हुई हैं और चुनाव में वोट चोरी की जा रही है. नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भी सौंपा. राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ''राष्ट्रपति ने हमारी बात को किसी भी तरह नहीं नकाराय उन्होंने हमारे बयान को स्वीकार किया और 'चुनाव में धांधली' के सबूत मांगे.''उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को सौंपे गए हमारे ज्ञापन में साफ कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारतीय लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश रची है. राहुल गांधी ने कहा मैंने राष्ट्रपति मुर्मू से कहा कि 'चुनाव चोरी' का सबूत देश को पता है, एक के बाद एक राज्य चोरी किए गए हैं.वहीं कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ''हमने चुनावों में मतपत्र की व्यवस्था फिर से लागू करने की मांग कीय राष्ट्रपति ने 'वोट चोरी' के सबूत मांगे, जो हम उन्हें उपलब्ध कराएंगे.''इसी क्रम में टीएमसी नेता व पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी नेकहा कि हम साथ हैं, हम बहुत मजबूत हैं और हम 60 प्रतिशत से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं. इसी तरह सीपीआई(एम) नेता एम. ए. बेबी ने कहा कि राष्ट्रपति ने हमारी बात धैर्यपूर्वक सुनी और हमारे आरोपों के लिए सबूत मांगेय हमने उन्हें भरोसा दिलाया कि हम ईसी की गड़बड़ियों के सबूत सौंपेंगे.

इससे पहले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों और नेताओं ने 'वोट चोरी' जुड़े मामले और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को संसद परिसर से राष्ट्रपति भवन की ओर मार्च शुरू किया था. उन्होंने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बैठकर 'वोट चोरी' के खिलाफ अभियान को आगे बढ़ाने तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर अपनी रणनीति पर मंथन किया. मार्च कर रहे नेताओं ने एक बड़ा बैनर ले रखा था, जिस पर 'सेव डेमोक्रेसी' (लोकतंत्र बचाओ) लिखा हुआ था. उन्होंने 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो' के नारे लगाए.

इसबैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कर्नाटक मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के ई.टी. मोहम्मद बशीर, माकपा महासचिव एम.ए. बेबी, भाकपा महासचि. चव डी. राजा, समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय और मोहिबुल्लाह नदवी, निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल और कई अन्य नेता मौजूद थे.

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रचा इतिहासः 1 लाख फैसलों का हिंदी अनुवाद पूरा, वेबसाइट पर मुफ्त उपलब्ध

प्रयागराजः न्याय को आम जनता की अपनी भाषा में सुलभ कराने के संकल्प की दिशा में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है. इस हाईकोर्ट के एक लाख न्यायिक फैसलों का हिंदी में अनुवाद पूरा हो चुका है. ये सभी अनुवादित निर्णय हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर आम जनता और वकील समुदाय के लिए बिल्कुल निःशुल्क उपलब्ध करा दिए गए हैं. इस खास मौके पर मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने एक लाखवां हिंदी अनुवादित फैसला खुद अपने हाथों से वेबसाइट पर अपलोड किया.

विशेष स्मारिका का हुआ विमोचनः इसके साथ ही मुख्य न्यायाधीश ने शून्य से एक लाख अनुवादित फैसलों तक की पूरी यात्रा को संजोने वाले विशेष स्मारिका–संकलन 'द वर्नाकुलर वॉयस ऑफ जस्टिस' का विमोचन भी किया. इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने के लिए वहां मौजूद अन्य न्यायाधीशों ने भी अपने एक–एक फैसले का हिंदी अनुवाद वेबसाइट पर अपलोड किया. इस कार्यक्रम में प्रशासनिक समिति के सदस्य न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा, न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा मौजूद रहे. साथ ही अनुवाद सलाहकार समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अजित कुमार, न्यायमूर्ति समीर जैन और न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान भी उपस्थित रहे. पूर्व ब्श्र डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ की थी

केरल हाई कोर्ट का पूर्व सीएम पिनाराई विजयन और उनके परिवार के खिलाफ थ्प् करने का आदेश

एर्नाकुलम (केरल): विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को बड़ा झटका देते हुए, केरल हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित रिश्वत मामले में उनकी बेटी वीना टी और पीए मोहम्मद रियास के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है.सार्वजनिक कार्यकर्ता के एम शाहजहां की याचिका को पूरी तरह से स्वीकार करते हुए, जस्टिस ए बदरुद्दीन ने ईडी की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर जांच का आदेश दिया. कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने के खिलाफ राज्य सरकार की दलील को पूरी तरह से खारिज कर दिया. सरकार का कहना था कि शुरुआती जांच के बाद सबूत सामने आने पर ही केस फाइल किया जाना चाहिए. एडवोकेट जनरल की कानूनी सलाह के आधार पर, राज्य द्वारा बनाई गई एक विशेष जांच टीम इस मामले की 14 दिन की शुरुआती जांच कर रही थी. इन दलीलों को खारिज करते हुए, हाई कोर्ट ने ईडी की रिपोर्ट को एक औपचारिक जांच रिपोर्ट माना और तुरंत मामला दर्ज करने का आद. ेश दिया.हाई कोर्ट ने ईडी की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में मंगाई थी और उसकी विस्तार में जांच की थी, जिसमें एफआईआर दर्ज करने के लिए काफी सबूत और जानकारी मिली थी. केस दर्ज करने का निर्देश देकर, कोर्ट ने सरकार को मिली कानूनी सलाह को नजरअंदाज कर दिया, जिससे जांच को शुरुआती जांच तक सीमित करने के राज्य के कदम पर असर पड़ा.यह मामला उन आरोपों के इर्द–गिर्द घूमता है कि वीना की आईटी फर्म एक्सालॉजिक को प्राइवेट मिनरल कंपनी सीएमआरएल से बिना कोई सर्विस दिए महीने का भुगतान मिला.केंद्रीय एजेंसियों ने आयकर विभाग के अंत. रिम सेटलमेंट बोर्ड के नतीजों के

उत्तराखंड और हिमाचल के बीच एमओयू साइन, आपदा प्रबंधन पर हुई बड़ी डील, जानिए डिटेल

देहरादूनः हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष दीपक राठौर ने शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) का भ्रमण किया. इस दौरान प्राधिकरण की ओर से आपदा प्रबंधन के लिए किए जा रहे कामों की जानकारी ली. इस दौरान दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए आपसी समन्वय एवं सहयोग को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया.उपाध्यक्ष ने विशेष रूप से तमाम आपदाओं के दौरान राज्य में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी ली. हिमाचल के उपाध्यक्ष और आपदा प्रबंधन सचिव के बीच हुई बैठक के दौरान आपदा प्रबंधन संबंधित अनुभव साझा करने के लिए दोनों राज्यों के बीच नॉन फाइनेंशियल एमओयू साइन करने का निर्णय किया गया. हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रबंधन उपाध्यक्ष ने उत्तराखंड की आईआरएस प्रणाली, यूएसडीएमए की तमाम एसओपी की जानकारी ली. इसके साथ ही उन्होंने ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड (ळव्स्) के खतरों को कम करने की दिशा में उत्तराखण्ड की ओर से किए जा रहे कामों की विस्तार से जानक. ारी ली और इस दिशा में आपसी समन्वय व सहयोग को बढ़ाने की इच्छा जाहिर की.दोनों राज्यों की चुनौतियां एक जैसीः वहीं, उपाध्यक्ष दीपक राठौर ने कहा कि उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश भौगोलिक दृष्टि से काफी संवेदनशील एवं समान प्रकृ ति वाले पर्वतीय राज्य हैं. दोनों राज्यों की सीमाएं भी आपस में जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण प्राकृतिक आपदाओं की चुनौतियां भी लगभग समान हैं. एक–दूसरे का साथ जानकारियां की शेयरः वहीं उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि आज हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने उपाध्यक्ष का उत्तराखंड भ्रमण था. इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग की तैयारियों को देखा, साथ ही एक दूसरे से अपने अनुभव को साझा किया है. मुख्य रूप से आपदा प्रबंधन को लेकर हिमाचल प्रदेश में किस तरह से कम हो रहा है और उत्तराखंड में किस तरह से कम हो रहा है, एक दूसरे को उसकी जानक. ारी दी गई है.बैठक के दौरान ये सहमति बनी है कि दोनों प्रदेश मिलकर आपदा प्रबंधन के लिए काम करें, जिसके तहत जो बेहतर काम हिमाचल में हो रहा है, वह उत्तराखंड को बताएं और उत्तराखंड में जो बेहतर काम हो रहा है, उसको हिमाचल को बताया जाए. साथ ही कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियां एक जैसी है, और आपदा संबंधित समस्याएं भी दोनों राज्यों की एक जैसी है, ऐसे में मिलकर उन समस्याओं से लड़ना ज्यादा अच्छा रहेगा.साथ ही बताया कि दोनों राज्यों की एक्सपर्ट टीमें बैठेंगी, जिसमें तमाम महत्वपूर्ण चीजें निकलकर सामने आएंगी. अपना अनुभव साझा करने के लिए उत्तराखंड और हिमाचल के बीच नॉन फाइनेंशियल एमओयू भी किया जाएगा.

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ सिविल जज सह सचिव डीएलएसए ए.श्रीदेवी

अमीर हुसैन क्राइम ब्यूरो प्रमुख

वैदेही आश्रम में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस–2026 का भव्य आयोजन

हैदराबाद: जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), सत्र प्रमाग, नामपल्ली, हैदराबाद के तत्वावधान में वैदेही आश्रम में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस – 2026 के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। श्रीमती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ए.श्रीदेवी शामिल हुईं।

कार्यक्रम में हैदराबाद जिले के विभिन्न बालिका गृहों की लड़कियों ने भाग लिया। आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा, समान अवसर, सशक्तिकरण और समग्र विकास के बारे में जागरूकता पैदा करना था।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीमती। ए.श्रीदेवी ने कहा कि लड़कियां समाज के लिए एक अमूल्य संपत्ति हैं और इस बात पर जोर दिया कि यह सुनिश्चित करना हर किसी की जिम्मेदारी है कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समान अवसर, सुरक्षा और सम्मान का जीवन मिले। उन्होंने लड़कियों को अपनी जन्मजात प्रतिभा को पहचानने और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उनसे शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भरता हासिल करने और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया।

भारतीय संविधान द्वारा लड़कयों को दिए गए अधिकारों, बाल संरक्षण से संबंधित कानूनों, बाल विवाह की रोकथाम, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, बाल अधिकारों की सुरक्षा और मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई। उन्होंने उन्हें किसी भी उत्पीड़न, अन्याय या अधिकारों के उल्लंघन का सामना करने पर बिना किसी डर के संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी और कहा कि जरूरत पड़ने पर जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के माध्यम से मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध है।उन्होंने लड़कियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और भावनात्मक विकास को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लड़कियों के देखभाल घरों में एक सुरक्षित, प्रेमपूर्ण और उत्साहजनक वातावरण को बढ़ावा देने से उनके आत्मविश्वास, आत्म–सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का निर्माण करने में मदद मिलती है। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि लड़कियों को समान अवसर प्रदान किए जाएं और शिक्षा, खेल, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।समारोह के हिस्से के रूप में, हैदराबाद जिले के विभिन्न देखभाल घरों की लड़कियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उन्होंने नृत्य, गीत और अन्य सांस्कृतिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जो इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बन गया। मुख्य अतिथि श्रीमती. ए. श्रीदेवी ने लड़कियों के प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें अपनी शिक्षा के साथ–साथ कला और संस्कृति में अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने टिप्पणी की कि इस तरह के आयोजन लड़कियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, एकता और नेतृत्व गुणों को बढ़ावा देने में योगदान करते हैं। आयोजन के हिस्से के रूप में, लड़कियों के साथ उनके अधिकारों, जिम्मेदारियों और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। लड़कियों की सुरक्षा, कल्याण और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों, देखभाल घरों और संबंधित संगठनों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। प्रत्येक लड़की को सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अपनी प्रतिभा दिखाने के पर्याप्त अवसर प्रदान करने पर जोर दिया गया।इस कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) श्री श्रीनिवास, श्री विजया भास्कर, श्री सुरेंद्र रेड्डी (वैदेही आश्रम के अध्यक्ष), बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के अध्यक्ष, हैदराबाद जिले के विभिन्न बालिका देखभाल घरों के प्रतिनिधि, श्री केशव रेड्डी (जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी) और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस – 2026 समारोह ने लड़कियों के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा, सशक्तिकरण और समग्र विकास की सुरक्षा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दियाय उन्होंने सुरक्षा और समान अवसरों के आधार पर हर लड़की के लिए एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए समाज को सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

हाईकोर्ट का फैसला: पुलिसकर्मियों पर थ्ट का विशेष अदालत का आदेश रद्द, पूरे यूपी के जजों के लिए गाइडलाइंस जारी

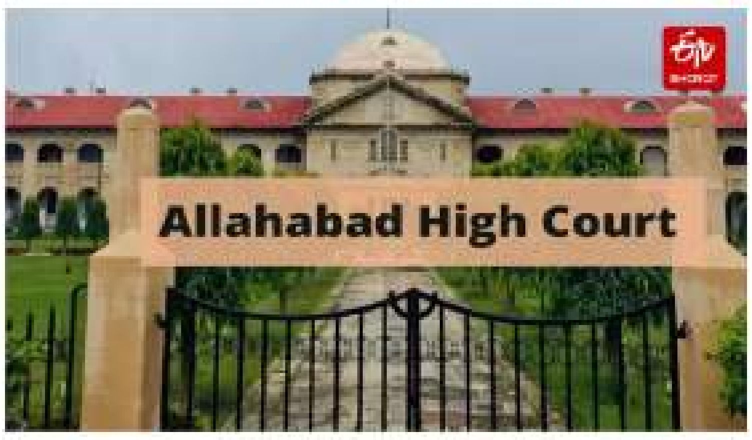

प्रयागराज: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाराजगंज की विशेष एससीएसटी अदालत के उस फैसले को रद्द कर दिया है, जिसमें सब–इंस्पेक्टर, कांस्टेबल और 20 अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर का निर्देश दिया गया था. यह महत्वपूर्ण फैसला न्यायमूर्ति संतोष राय ने दरोगा राक. श कुमार यादव की अपील पर सुनाया है. महाराजगंज के घुघुली थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव की दो महिलाओं ने बीएनएसएस की धारा 173(4) के तहत अर्जी दी थी. महिलाओं का आरोप था कि सब–इंस्पेक्टर राकेश कुमार यादव और अन्य पुलिसकर्मी बिना महिला पुलिस व बिना वारंट घर में घुसे और जातिसूचक शब्द कहे.क्रॉस केस के कारण पुलिस पर लगे थे आरोप: विशेष अदालत ने महिलाओं की अर्जी स्वीकार करते हुए थानाध्यक्ष को गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था. इसके जवाब में अपीलार्थी पुलिसकर्मियों का तर्क था कि वे उसी दिन गांव में हुए झगड़े के बाद कानून–व्यवस्था बनाए रखने की सरकारी ड्यूटी पर तैनात थे. उस घटना को लेकर थाने में दो क्रॉस केस पहले ही दर्ज हो चुके थे और आरोप–पत्र भी दाखिल किया जा चुका था. पुलिसकर्मियों के मुताबिक यह शिकायत सिर्फ कार्रवाई का बदला लेने के लिए दर्ज कराई गई थी. हाईकोर्ट ने बीएनएसएस की प्रक्रियाओं पर की बात: हाईकोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए कहा कि बीएनएसएस की धारा 173(4) सिर्फ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के पास जाने का रास्ता देती है. जांच का न्यायिक आदेश देने की असली शक्ति धारा 175(3) से आती है और सिर्फ अर्जी का नाम बदलने से कोर्ट को एफआईआर का अधिकार नहीं मिलता. अदालत को शपथ पत्र के साथ अर्जी देखना, आवश्यक जांच करना और पुलिस अधिकारी का पक्ष सुनना बेहद जरूरी होता है. हाईकोर्ट ने पाया कि विशेष अदालत ने न तो पुलिस रिपोर्ट पर विचार किया और न ही जांच न कराने का कारण दर्ज किया.पूरे प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी: अपील स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने 11 अगस्त के आदेश और उससे जुड़ी सभी कार्यवाहियों को पूरी तरह रद्द कर दिया है. इसके साथ ही प्रदेश के सभी न्यायिक अधिकारियों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं कि बीएनएसएस की धारा 173(4) या 175(3) पर फैसला सुनाने से पहले पुलिस अधिकारी की रिपोर्ट देखना अनिवार्य है. अदालत को यह भी देखना होगा कि अगर आरोपी पुलिसकर्मी पहले से मामले की जांच कर रहा है या कार्रवाई कर चुका है, तो अतिरिक्त सावधानी बरती जाए. इन निर्देशों का पालन कराने के लिए आदेश की कॉपी सभी जिला जजों, डीएम और एसपी को भेजी जा रही है.

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ओबीसी आयोग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल: डेटा जुटाने की रफ्तार पर जताई नाराजगीढ

प्रयागराज: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के राजनीतिक और आर्थिक पिछड़ेपन का आकलन करने के लिए बने आयोग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. कोर्ट ने डेटा जुटाने की मौजूदा प्रक्रिया पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए बड़ा निर्देश दिया है. हाईकोर्ट ने आयोग को आगरा जिले से जुड़े कामकाज का पूरा ब्योरा सीलबंद लिफाफे में 14 अक्टूबर तक पेश करने को कहा है. यह सख्त आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने पंचायत चुनाव को लेकर दाखिल दशरथ यादव की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया.3 लाख आबादी में से सिर्फ 29 के दर्ज हुए बयान: पंचायत चुनाव से जुड़ी इस याचिका पर लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को कोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान आयोग के वकील ने बताया कि 40 जिलों में लगभग 60 फीसदी डेटा जुटाने का काम पूरा कर लिया गया है. हालांकि रिकॉर्ड और हलफनामों की पड़ताल के बाद कोर्ट ने पाया कि आयोग के सामने आने वाले लोगों की संख्या वास्तविक आबादी की तुलना में बेहद कम है. आगरा का उदाहरण देते हुए पीठ ने कहा कि वहां तीन लाख से अधिक की ओबीसी आबादी होने के बावजूद आयोग के सामने सिर्फ 179 लोग ही पहुंचे और उनमें से भी केवल 29 लोगों के बयान दर्ज किए गए. पांच महीने में सलाहकार समिति की एक बैठक भी नहीं: कोर्ट ने कहा कि समाचार पत्रों में नोटिस प्रकाशित करने के बावजूद इतने कम लोगों के बयान दर्ज करना प्रामाणिक डेटा हासिल करने के लिए बिल्कुल उचित नहीं है. पीठ ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि आयोग पिछले पांच महीनों से काम कर रहा है, लेकिन इसके गठन के बाद बनी सलाहकार समिति की अब तक आयोग के साथ एक भी बैठक नहीं हुई है. हालांकि कोर्ट को बताया गया कि समिति की पहली औपचारिक बैठक 12 अक्टूबर को होना तय हुआ है.14 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे तक मांगी रिपोर्ट: खंडपीठ ने स्पष्ट कहा कि वह यह समझना चाहती है कि आयोग छह महीने की तय समयसीमा में पूरे प्रदेश का काम कैसे पूरा करेगा. सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसलों में तय ट्रिपल टेस्ट की शर्तों के अनुसार ओबीसी जातियों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पिछड़ेपन का डेटा कैसे जुटाया जा रहा है, आयोग को इसका पूरा खाका पेश करना होगा. कोर्ट ने आयोग को निर्देश दिया कि आगरा जिले से संबंधित अब तक जुटाए गए जातिवार डेटा, प्रक्रिया और मूल्यांकन की पूरी रिपोर्ट 14 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से पहले सौंपे. मामले की अगली सुनवाई 14

पत्रकार ने जाति के आधार पर अपमान का आरोप लगाया, माधव राव और अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

करीमनगर के पत्रकार रापाका शंकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

'करीमनगर – 'प्रभाथनवा सिंगिदी' दैनिक के करीमनगर ब्यूरो संवाददाता रापाका शंकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि जाति के आधार पर सार्वजनिक रूप से उनका अपमान किया गया, जिससे उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और सामाजिक सम्मान को नुकसान पहुंचा है। ग्रामीण एसीपी विजय कुमार को सौंपी गई अपनी शिकायत में, शंकर ने देवरनेनी माधव राव और अन्य के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुस. ूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 और अन्य लागू कानूनों के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। शिकायत के अनुसार, गोदाव. रीखानी प्रेस क्लब से जुड़े माधव राव और कुछ अन्य लोगों ने शंकर के अखबार में 5 और 6 अक्टूबर को प्रकाशित दो समाचार रिपोर्टों को लेकर रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट से संपर्क किया। शंकर का आरोप है कि कमिश्नरेट परिसर में हुई बाद की बैठक के दौरान, मीडिया कैमरों की मौजूदगी में उन्हें और उनके अखबार को ''अपराधी,'' ''विघटनकारी ताकतें'' और ''शोषणकारी'' कहा गया। पत्रकार का आरोप है कि ये टिप्पणियां उनकी अनुसूचित जाति की पहचान का हवाला देकर उन्हें अपमानित करने के इरादे से की गई थीं, जबकि संबंधित लोग उनकी जातिगत पृष्ठभूमि से वाकिफ थे। उन्होंने आगे कहा कि घटना को वीडियो में रिकॉर्ड किया गया और सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया, जिससे उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और सामाजिक स्थिति पर बुरा असर पड़ा।

शंकर ने पुलिस से घटना की व्यापक जांच करने और वीडियो फुटेज, सोशल मीडिया पोस्ट और चश्मदीदों के बयानों की जांच करने का आग्रह किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों, मीडिया प्रतिनिधियों और मीडिया बातचीत के दौरान मौजूद अन्य लोगों के बयान दर्ज करने के साथ–साथ संबंधि

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

इंडिया पोस्ट तेलंगाना में डिजिटल सर्विस और डिस्ट्रीब्यूशन को मजबूत कर रहा है। फाइनेंशियल सर्विस का विस्तार

' 'एक पोस्टल सिस्टम, अनलिमिटेड मौके' दृ इसका मकसद लोगों को आसान, टेक्नोलॉजी पर आधारित सर्विस देना है: ब्ढ्ळ श्री वैंटर मूर्ति

' हर महीने 20 लाख चेयुता पेंशन के लाभार्थियों को सर्विस। 263 आधार सेंटर के जरिए नागरिक सर्विस

' रोजगार मेलों के 17 राउंड के जरिए 1,86,202 अपॉइंटमेंट लेटर जारी किए गए। तेलंगाना इलाके में 1,272 कैंडिडेट चुने गए

हैदराबाद, 9 अक्टूबर, 2026

9 अक्टूबर को वर्ल्ड पोस्ट डे के मौके पर, डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स आज से इस महीने की 15 तारीख तक नेशनल पोस्टल वीक सेलिब्रेशन कर रहा है। हैदराबाद के डॉक सदन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, तेलंगाना सर्कल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल (ब्ढ्ळ) श्री वैंटर मूर्ति ने इंडियन पोस्टल डिपार्टमेंट की उपलब्धियों, टेक्नोलॉजी में तरक्की और नागरिकों को बेहतर सर्विस देने के लिए उठाए जा रहे अलग–अलग कदमों के बारे में बात की। इस मौके पर बोलते हुए, श्री मूर्ति ने कहा कि वर्ल्ड पोस्ट डे 1874 में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (न्प्न्) के बनने की याद में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस साल के लिए चुनी गई थीम "एक पोस्टल सिस्टम दृ अनलिमिटेड मौके" है। उन्होंने बताया कि यह नारा दिखाता है कि इंडियन पोस्ट ऑफिस कैसे एक ऐसे ऑर्गनाइजेशन के तौर पर डेवलप हो रहा है जो पोस्ट ऑफिस के जरिए कई तरह की सर्विसेज को बनाए रखते हुए मॉडर्न टेक्नोलॉजी से लोगों को बेहतर सर्विसेज देता है। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट दुनिया का सबसे बड़ा पोस्टल सिस्टम चलाता है, जिसमें कुल 1,64,999 पोस्ट ऑफिस हैं, जिसमें 1,49,385 ऑफिस ग्रामीण इलाकों में हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सर्कल में 36 मेन पोस्ट ऑफिस, 759 सब–पोस्ट ऑफिस और 5,424 ब्रांच पोस्ट ऑफिस काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम में 6,514 बश्री मूर्ति ने खास तौर पर फाइनेंशियल इनक्लूजन के बारे में बताया। उन्होंने

कहा कि 31 मार्च 2026 तक तेलंगाना पोस्टल सर्कल में 1.07 करोड़ लाइव पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक (च्व्ैठ) अकाउंट थे। सर्कल का मकसद फाइनेंशियल ईयर 2026–27 के आखिर तक तेलंगाना की 25 परसेंट ग्रामीण आबादी को पोस्टल फाइनेंशियल सर्विसेज के जरिए फाइनेंशियल इनक्लूजन के दायरे में लाना है। इसी फाइनेंशियल ईयर में कम से कम 10 परसेंट च्व्ैठ अकाउंट को डिजिटल ट्रांजेक्शन की ओर मोड़ने का प्लान है। कंज्यूमर्स की सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसी डिजिटल सुविधाओं को बड़े पैमाने पर प्रमोट किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (च्स्प्) और रूरल पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (त्च्स्प्) स्कीम नागरिकों को इंश्योरेंस प्रोटेक्शन देती हैं। उन्होंने कहा कि च्स्प् का स्कोप सिर्फ सरकारी कर्मचारियों तक ही नहीं बल्कि प्रोफेशनल्स और ग्रेजुएट्स तक भी बढ़ाया गया है, जबकि त्च्स्प् को शहरी लोगों के लिए भी अवेलेबल कराया गया है। फाइनेंशियल ईयर 2025–26 में, तेलंगाना सर्कल ने 71,233 नई च्स्प् और त्च्स्प् पॉलिसी बेचीं। उनके जरिए बताया गया कि 590.13 करोड़ रुपये का प्रीमियम इकट्ठा किया गया। सर्कल के फाइनेंशियल परफॉर्मेंस का खुलासा करते हुए... फाइनेंशियल ईयर 2025–26 में, तेलंगाना सर्कल ने 661.88 करोड़ रुपये के टारगेट के मुकाबले 596.71 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया, और मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में, सितंबर 2026 तक 322.28 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया है।

लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव के रिजल्ट पर आया च्ड मोदी का पहला बयान, बोले– 'यह जनादेश हमें और मजबूती देगा'

देश के 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों और 1 लोकसभा सीट के नतीजे शुक्रवार को सामने आ रहे हैं। बता दें कि ये उपचुनाव पश्चिम बंगाल की रेजीनगर और नंदीग्राम, पुडुचेरी की थट्टांचावडी और तमिलनाडु की मदुरंतकम और धारापुरम सीट पर विधानसभा उपचुनाव के नतीजे और असम की नगांव लोकसभा सीट पर हुए थे। इनमें से नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीट पर भाजपा की जीत हुई है। इसके साथ ही नगांव लोकसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी जीत की ओर बढ़ रही है। ऐसे में उपचुनाव के इन नतीजों पर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान भी सामने आ गया है।

लोगों का सुशासन के एजेंडे से गहरा जुड़ाव– च्ड मोदीउपचुनाव में भाजपा के बेहतरीन प्रदर्शन पर पीएम मोदी ने कहा– "लोगों के लगातार मिल रहे आशीर्वाद के लिए उनका आभार। नगांव (असम) के लोकसभा चुनाव और नंदीग्राम व रेजीनगर (पश्चिम बंगाल) के विधानसभा चुनाव के नतीजे एक बार फिर दिखाते हैं कि लोगों का ठश्रच्–छक्।. के सुशासन के एजेंडे से गहरा जुड़ाव है। मैं जीत हासिल करने वाले ठश्रच् उम्मीदवारों को बधाई देता हूं और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की भी सराहना करता हूं।"

यह जनादेश हमें और मजबूती देगा– पीएम मोदी पीएम मोदी ने आगे कहा– "मैं पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट पर जीत के लिए छक्। के अपने अहम सहयोगी, ।प्छत्ब् को भी बधाई देता हूं। यह जनादेश हमें और मजबूती देगा, क्योंकि हम लोगों की भलाई और उनके बेहतर व समृद्ध भविष्य की उम्मीदों को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।"कहां किसकी जीत?

आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर भाजपा की हंसीरानी रथ ने रिकॉर्ड 1,22,753 वोटों से जीत हासिल की है।

म्क के जॉइंट डायरेक्टर स्वपन बोस का निधन, लंबी बीमारी से जूझ रहे थे, विभाग में 3 दशक से ज्यादा लंबा रहा सफर

प्रवर्तन निदेशालय यानी म्क के जॉइंट डायरेक्टर स्वपन बोस का 6 अक्टूबर 2026 को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन पर प्रवर्तन निदेशालय ने गहरा दुख जताया है। विभाग ने स्वपन बोस को एक सक्षम, ईमानदार और अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित अधिकारी के रूप में याद करते हुए कहा कि उनका जाना संगठन और सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है।लंबी बीमारी के बाद निधनप्रवर्तन निद.ेशालय के जॉइंट डायरेक्टर स्वपन बोस का मंगलवार को निधन हो गया। भारत सरकार की एक कानून प्रवर्तन और आर्थिक खुफिया एजेंसी म्क की ओर से जारी बयान में बताया गया कि वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर सामने आने के बाद प्रवर्तन निदेशालय में शोक की लहर है। विभाग ने उनके असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।प्रवर्तन निद.ेशाय में 33 साल तक दी सेवाएंस्वपन बोस ने प्रवर्तन निदेशालय में 33 वर्षों तक सेवाएं दीं। विभाग के मुताबिक, अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। उन्हें एक ऐसे अधिकारी के तौर पर याद किया गया, जिन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को पूरी पेशेवर क्षमता,

संस्थागत प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ निभाया। एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने उनके काम के प्रति समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को भी याद किया।प्रवर्तन निदेशालय ने जताया दुखएनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने कहा कि स्वपन बोस का निधन संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके योगदान और लंबे कार्यकाल को देखते हुए विभाग ने उनके जाने को सार्वजनिक सेवा से जुड़े पूरे क्षेत्र के लिए भी बड़ी क्षति बताया। मुख्यालय के साथ–साथ अलग–अलग जोनल और सब–जोनल कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया गया।परिवार के साथ खड़ा है डिपार्टमेंटप्रवर्तन निदेशालय के निद.ेशक और विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वपन बोस के शोक संतप्त परिवार, रिश्तेदारों और सहयोगियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। म्क ने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा विभाग परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। विभाग ने परिवार को अपना समर्थन और एकजुटता का भरोसा भी दिया। साथ ही दिवंगत अधिकारी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

'राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी, असलियत को समझ नहीं पाते', ज्ञानेश कुमार SIR के मुद्दे पर BJP का पलटवार

भारतीय जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और ैप्त् के मुद्दे पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पलटवार किया है। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि किसी जमाने में एंटी–इनकम्बेंसी कांग्रेस पर भी बेअसर थी। बीजेपी नेता ने कहा कि राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी है। वे असलियत को समझ नहीं पाते हैं। उनका विवेक शून्य है। राहुल गांधी अपने दम पर एक भी सीट नहीं जीत सकते हैं।

देश में एंटी–इनकम्बेंसी एक स्थापित सच

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में एंटी–इनकम्बेंसी (मौजूदा सरकार के खिलाफ नारा.जगी) एक स्थापित सच है और यह बात बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से ही देखी जा रही है। कांग्रेस के खिलाफ एंटी–इनकम्बेंसी निश्चित रूप से बहुत लगातार और मजबूत रही है। राहुल गांधी को भारतीय राजनी.ति की समझ नही है।बीजेपी ने कांग्रेस को याद दिलाया एंटी–इनकम्बेंसी का इतिहासबीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा, '1967 के बाद से कांग्रेस तमिलनाडु में कभी सत्ता में नही लौटी, जबकि उस समय भारतीय जनता पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था। 1977 के बाद से कांग्रेस बंगाल में सत्ता में नहीं लौटी। वहां 1977 से 2011 तक 34 साल कम्युनिस्टों का शासन रहा, फिर भी राहुल गांधी न तो इसे समझते हैं और न ही देखते हैं। और फिर भी वे एंटी–इनकम्बेंसी का मुद्दा उठाते हैं। एक दौर ऐसा भी था जब कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही। वोटर आईडी कार्ड से पहले का दौर, जिसमें बूथ कैप्चरिंग, बैलेट बॉक्स लूटना और गोलीबारी जैसी घटनाएं होती थीं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में शायद ही कोई चुनाव ऐसा होता था जिसमें लोग मारे या घायल न हों। उस समय, कांग्रेस के खिलाफ एंटी–इनकंबेंसी काम नहीं करती थी।'

कांग्रेस पार्टी लगातार 100 सालों से सत्ता में रही– ठश्रच्

बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि सत्ता–विरोधी भावना असल में कांग्रेस पार्टी के अंदर है, खासकर गांधी परिवार में। कांग्रेस पार्टी लगातार सौ सालों से सत्ता में रही है। लेकिन आज, सत्ता–विरोधी भावना इतनी मजबूत हो गई है कि वे किसी सहयोगी के सहारे के बिना एक भी सीट नहीं जीत सकते। पिछले 25 सालों से कांग्रेस पार्टी रायबरेली और अमेठी में सिर्फ समाजवादी पार्टी के समर्थन से ही जीतती आ रही है। वरना, न तो सोनिया गांधी और न ही राहुल गांधी में इतनी काबिलियत है कि वे समाजवादी पार्टी के समर्थन के बिना अपने परिवार के गढ़ों को अपने दम पर जीत सकें। इसी तरह, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वायनाड में जीते, लेकिन वे मुस्लिम लीग के समर्थन से जीते, एक ऐसी सीट पर जहां मुस्लिम आबादी 60 से 65 प्रतिशत है। उनमें मुस्लिम लीग के समर्थन के बिना सीट जीतने की काबि.लियत और राजनीतिक हैसियत नहीं है। इसलिए, मेरा मानना घ्हैं कि राहुल गांधी के अनुभव की कमी के बारे में जो आकलन किया गया है, वह बिल्कुल सही है। राजनीतिक रूप से, उन्हें लगभग कोई जानकारी नहीं है, बल्कि उनमें भारतीय राजनीति की बुनियादी समझ की भी कमी है।प्रेस की आजादी का करता हूं सम्मान– सुधांशु त्रिवेदी

बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'किसी भी खबर के मामले में और मैं यह बात प्रेस की आजादी का सम्मान करते हुए कह रहा हूं – संबंधित व्यक्ति से हमेशा सवाल पूछे जाते हैं और उनका बयान लिया जाता है। क्या उस बयान को कोट किया जाता है? नहीं। क्या आपके पास ऐसी एक भी रिपोर्ट है जिससे पता चले कि फैसला सर्वसम्मति से नहीं हुआ था? नहीं। क्या कोई ऐसी प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई है जिसमें तीनों कमिश्नर मौजूद न हों? नहीं। तो फिर इस दावे का आधार क्या है?'

शिमला में कार और रोडवेज बस की जोरदार टक्कर, माता–पिता और दादी की मौतय परिवार में पसरा मातम

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के घणाहट्टी क्षेत्र में गुरुवार को दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार को जिंदगी भर का गम दे दिया। घंडल–सोलह मील के पास कार की भ्त्ज्ब् बस से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार बेटे ने अपनी मां, पिता और दादी को खो दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक घायल बताया जा रहा है और उसे उपचार के लिए प्ळडब् अस्पताल पहुंचाया गया है।हादसे में युवक घायल,माता–पिता और दादी की मौतबताया जा रहा है कि परिवार सुबह इलाज के लिए प्ळडब् अस्पताल पहुंचा था। दवा लेने के बाद सभी कार में सवार होकर वापस घणागुघाट लौट रहे थे। इसी दौरान घंडल–सोलह मील के पास उनकी कार भ्त्ज्ब् बस की चपेट में आ गई। कार में दो महिलाएं और दो पुरुष सवार थे। हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक और घायल फांजी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा ओवरस्पीड और पास लेने के दौरान हुआ। हालांकि हादसे में किसकी गलती थी, इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। एक ही हादसे में मे दो बहनों की मौतपहीं, शिमला के चोपाल सब–डिविजन के टेलर गांव में दो बहनें (उम्र 11 और 8 साल) अपने घर पर बेहोश मिलीं और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जितेंद्र चौहान की बेटियां 20 सितंबर को अपने कमरे में बेहोश मिलीं और उन्हें तुरंत टयूनी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रोहड़ू अस्पताल रेफर किया गया और बाद में इंदि.रा गांधी मेडिकल कॉलेज (प्ळडब्), शिमला भेज दिया गया। इलाज के दौरान लड़कियों की मौत हो गई और अधिकारियों ने पोस्टमार्टम के बाद उनके शव परिवार को सौंप दिए। नेरवा के नायब तहसीलदार कुश कुमार ने कहा कि शुरुआती जांच से मौत का कारण सांप का काटना लग रहा

श्वेता विजन
सच देखो | सही दिखाए

राज्यसभा चुनाव में न्न समेत 3 राज्यों में चला ठश्रच का 'विजय रथ', जीतीं 10 सीटेंय सपा को 2 मिलीं लेकिन कांग्रेस का पत्ता साफढ

राज्यसभा चुनाव 2026 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में ठश्रः का डंका बजा है। 12 सीटों पर चुनाव हुआ और उसमें 10 सीटें अकेले बीजेपी ने जीत ली हैं। सपा को भी उत्तर प्रदेश की 2 राज्यसभा सीटें जीतने में कामयाबी मिली है। हालांकि, कांग्रेस इस चुनाव में 1 भी सीट हासिल नहीं कर पाई है। जानें किस उम्मीदवार को कहां से जीत मिली है।यूपी के राज्यसभा चुनाव में ठश्रः 8 और सपा 2 सीटें जीतीं
उत्तर प्रदेश की बात करें तो राज्यसभा चुनाव में बिना वोटिंग के ही बीज.पी के गोपीकृष्ण पांडे, धर्मपाल सिंह, प्रियंका सिंह रावत, राधाकांत ओझा, राम प्रकाश पाल, राम प्रताप सिंह, विद्या सागर सोनकर और श्रुति गंगवार को जीत मिल गई है। वहीं, सपा के टिकट पर धनराज नाथवानी और रामगोपाल यादव ने विजय हासिल की है। ये सभी निर्विरोध चुनाव जीते हैं।25 नवंबर 2032 तक रहेगा न्न-उत्तराखंड में जीते सांसदों का कार्यकाल वहीं, उत्तराखंड के राज्यसभा चुनाव में बीजेपी के दिनेश कुमार आर्य की जीत हुई है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में निर्विरोध निर्वाचित हुए इन सभी सांसदों का कार्यकाल 25 नवंबर 2032 तक रहेगा।पश्चिम बंगाल राज्यसभा उपचुनाव में निर्विरोध निर्वाचित हुईं रुक्मिणी मलिक
इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में राज्यसभा सीट पर उपचुनाव हुआ था क्योंकि मौजूदा ।प्ज्ब की सांसद रुक्मिणी मलिक ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। अब रुक्मिणी मलिक बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ीं और निर्विरोध निर्वाचित हो गई हैं। रुक्मिणी मलिक का राज्यसभा सांसद के रूप में कार्यकाल 2 अप्रैल 2032 तक रहेगा।यह एक बड़ी जिम्मेदारी है-राम प्रताप सिंहबीजेपी के नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य राम प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। मुझे इस लायक समझने के लिए मैं राष्ट्रीय और राज्य स्तर के नेतृत्व का धन्यवाद करता हूं कि आज मैं राज्यसभा के लिए चुना गया हूं। इसलिए मैं अपनी पार्टी की लीडरशिप का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि मुझे जो भी काम सौंपा गया है, उसे मैं पूरी निष्ठा और मेहनत से 100 प्रतिशत पूरा करने की कोशिश करूं। बता दें कि आज घोषित हुए उपचुनाव में भी ठश्रच की बड़ी जीत हुई है। इस पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि भीड़तंत्र को लोकतंत्र ने जवाब दे दिया है।

दिल्ली में प्रदर्शन से पहले सुप्रीम कोर्ट का बयान, कहा- 'मेट्रो स्टेशन और रेलवे पर पूरी रोक पर दोबारा विचार की जरूरत'

दिल्ली में 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन से पहले मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और कई ट्रेनों को रद्द करने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। ब्च्(ड) के महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद एमए बेबी ने यह याचिका दाखिल कर कोर्ट से तुरंत दखल देने की मांग की थी। आपको बता दें कि ये प्रदर्शन मतदाता सूची में बदलाव की प्रक्रिया (ैप्) और चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर बुलाया गया है। याचिका

में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस ने 8 अक्टूबर को दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपा.रेशन (क्डत्ब्) को पत्र लिखकर 57 मेट्रो स्टेशनों के एंट्री और एग्जिट गेट बंद करने को कहा था। यह बंदी 9 अक्टूबर की रात 9 बजे से शुरू होकर हालात सामान्य होने तक जारी रखने की बात कही गई है। याचिका के मुताबिक, इस फैसले का असर सिर्फ प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगा.पर नहीं, बल्कि दिल्ली के आम लोगों पर भी पड़ेगा। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को मेट्रो स्टेशन और रेलवे पर पूरी रोक पर दोबारा विचार करने को कहा है। हालांकि,सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा है कि हम प्रदर्शन की अनुमति पर विचार नहीं करेंगे।याचिका में क्या मांग की गई?
एमए बेबी की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया था कि बंद किए जाने वाले स्टेशनों में सुप्रीम कोर्ट, हौज खास, लाजपत नगर, कश्मीरी गेट, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, शाहदरा और रोहिणी समेत कई इलाके शामिल हैं। याचिका में दावा किया गया है कि इनमें से कई स्टेशन अस्पतालों, कॉलेजों, अदालतों और रिहायशी इलाकों तक पहुंचने के लिए जरूरी हैं। याचिका में 10 अक्टूबर को नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच पहुंचने वाली कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने के फैसले पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसमें हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस और सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का भी जिक्र है।याचिका के अनुसार, इस फैसले से इलाज कराने आ रहे मरीजों, छात्रों, यात्रियों और दूसरे लोगों को परेशानी हो सकती है। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि दिल्ली आने वाले कुछ लोगों को दूसरे राज्यों में रोका गया और हिरासत में लिया गया। याचिका में कहा गया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली आ रहे लोगों को केवल इसी वजह से रोकना सही नहीं है। प्रदर्शन की इजाजत देने की मांगयाचिका में कहा गया है कि जंतर-मंतर प्रदर्शन के लिए तय जगह है और वहां शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार लोगों को मिलना चाहिए। याचिकाकर्ता का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस जरूरी कदम उठा सकती है, लेकिन इसके नाम पर पूरे शहर की मेट्रो सेवाओं को बंद करना और लंबी दूरी की ट्रेनों को रद्द करना सही नहीं है। एमए बेबी ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने के फैसले को रोका जाए और मेट्रो सेवाएं सामान्य की जाएं। साथ ही, रद्द की गई ट्रेनों को जहां तक संभव हो दोबारा चलाने, प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड और दूसरे

'महामहिम को हम वोट चोरी के सबूत देंगे', राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद बोले राहुल गांधी

विपक्ष के प्रतिनिधिमंडल लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में आज (शुक्रवार को) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। विपक्ष के सांसद, ब्म्ब् ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर राष्ट्रपति से मुलाकात करने सेंट्रल हॉल से सीधे राष्ट्रपति भवन गए थे। जब ये मुलाकात हो रही थी, तब तमाम विपक्षी सांसद विजय चौक पर धरने पर बैठे थे। राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान, विपक्ष के प्रतिनिधिमंडल ने वोट चोरी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर बात की।
राष्ट्रपति ने वोट चोरी की बात को नहीं नकारा-राहुल गांधीमहामहिम से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा कि मुझे उम्मीद नहीं थी लेकिन राष्ट्रपति ने वोट चोरी पर हमारी बातों को सुना और वोट चोरी की बात को नहीं नकारा। राष्ट्रपति ने हमसे पूछा कि आप साबित कैसे करेंगे तो हमने उनसे कहा कि विपक्ष का यही प्रतिनिधिमंडल उन्हें सबूत लाकर देगा। वहीं, मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हमने म्टड को हटाने और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की।12 अक्टूबर को सीजेआई से मिलेगा विपक्ष का प्रतिनिधिमंडल
राष्ट्रपति से मिलने वाले इंडिया अलायंस के नेताओं की लिस्ट में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, सुप्रिया सुले, ममता बनर्जी, राजीव राय, मनोज झा, एमए बेबी, डी.राजा और उमर अब्दुल्ला थे। जब विपक्ष के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से मिले, तब बाकी विपक्षी सांसद विजय चौक पर धरने पर बैठे रहे। राहुल गांधी ने ये भी कहा कि 12 अक्टूबर यानी आगामी सोमवार को यही प्रति.निधिमंडल सीजेआई के पास मेमोरेंडम लेकर जाएगा।राष्ट्रपति को दिए ज्ञापने में की ये 4 मांगें

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा और 2023 के उस कानून को रद्द करना जो ब्म्ब् और म्ब् को आजीवन सुरक्षा देता है।ैप्त् को तुरंत सस्पेंड करना और वोटर लिस्ट से गैर-कानूनी तरीके से हटाए गए सभी 13.30 करोड़ वोटरों के नाम तुरंत बहाल करना।
सभी चुनावों में फिर से पेपर बैलेट का इस्तेमाल शुरू करना।पिछले दो सालों में हुए उन सभी विधानसभा चुनावों को रद्द करना जिनमें वोट चोरी के पक्के सबूत पेश किए गए हैं।
सड़क पर उतरने वालों को सलाम- गौरव गोगोईकांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि सभी देशभक्त देश के लोकतंत्र को मजबूत करने में लगे हैं, चाहे वे किसी राजनीतिक दल के सदस्य हों या न हों। मैं उन सभी देशभक्तों को सलाम करता हूं जो सड़कों पर उतरे हैं। कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि हम बैलेट से वोटिंग चाहते हैं। हम ब्म्ब् ज्ञानेश कुमार को हटाना चाहते हैं
सरकार डरी हुई है- राजीव शुक्लाकांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला बोले कि यह मार्च इसलिए हो रहा है क्योंकि सभी सांसदों को समय नहीं दिया गया। प्छक्प्। गठबंधन के सिर्फ 10 नेताओं को ही समय मिला। इसलिए, बाकी सांसदों ने विरोध मार्च निक.लने का फैसला किया। सरकार कितनी डरी हुई है। लोगों को बहुत परेशानी हुई है। सुप्रीम कोर्ट को भी पूछना पड़ा कि ऐसा पूरी तरह से प्रतिबंध क्यों लगाया जा रहा है और सब कुछ क्यों बंद किया जा रहा है- मेट्रो, ट्रेन और बसें। दिल्ली में

उपचुनाव में ठश्रच की जीत पर स्मृति ईरानी ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, बोलीं- 'भीड़तंत्र को लोकतंत्र ने दिया जवाब'

नई दिल्लीः तीन राज्यों की पांच विधानसभा सीटों और एक लोकसभा सीट पर शुक्रवार को मतगणना हुई। इनमें से कई सीटों पर बीजेपी को मिली जीत के बाद बीजेपी की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान स्मृति ईरानी ने कहा कि बीजेपी उम्मीदवारों की जीत से हम सभी खुशी हैं। उन्होंने बीजेपी और एनडीए के उम्मीदवारों की जीत पर बधाई भी दी। स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भीड़तंत्र को लोकतंत्र ने जवाब दिया है।
जीत की बधाई दी
बीजेपी की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ने कहा, ''राज्यसभा चुनावों में बीजेपी उम्मीदवारों की जीत की खबर से हम सभी खुश हैं। बीजेपी कार्यकर्ता पुडुचेरी में छक्। प्रतिनिधि की जीत पर बधाई देते हैं। पश्चिम बंगाल और असम से ऐतिहासिक नतीजे सामने आ रहे हैं। बीजेपी अच्छे शासन के वादे के साथ नंदीग्राम में जीत की ओर बढ़ रही है और रेजीनगर में भी आगे है, जहां लगभग 71 प्रतिशत मतदाता अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। असम के नगांव में, अब तक हुई वोटों की गिनती के रुझान भी बीजेपी की जीत का संकेत दे रहे हैं। मैं इन राज्यों के सभी मतदाताओं का धन्में देखा है, उन्हें कांग्रेस नेतृत्व के इस चुनिंदा रवाद करती हूं। हमारे लोकतंत्र ने एक बार फिर भीड़-तंत्र का जवाब दिया है।''
कांग्रेस पर साधा निशाना
स्मृति ईरानी ने आगे कहा, ''15 जनवरी, 2026 को कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि उनकी लड़ाई बीज.पी के खिलाफ नहीं, बल्कि भारतीय राज्य (प्दकपंद ेजंजम) के खिलाफ है। हमारे संवैधानिक संस्थान लोकतंत्र को स्थापित करने, उसकी रक्षा करने और उसे मजबूत करने में मदद करते हैं। भारतीय राज्य पर हमले के बारे में ऐसा बयान चर्चा का विषय है, क्योंकि भारत के इतिहास में किसी भी राजनीतिक नेता ने पहले कभी इस तरह से देश और उसके लोगों पर हमले की बात नहीं कही थी।''

जेएनयू को लेकर राहुल गांधी पर हमला
श्रछन् में यौन उत्पीड़न के आरोपों पर स्मृति ईरानी ने कहा, ''वही सज्जन (राहुल गांधी की ओर इशारा करते हुए) हाल ही में पितृसत्ता को खत्म करने की बात कर रहे थे। अजीब बात है कि वे उन महिला छात्रों के आरोपों पर मिं देखा है, उन्हें कांग्रेस नेतृत्व के इस चुनिंदा रमें देखा है, उन्हें कांग्रेस नेतृत्व के इस चुनिंदा रबल्कुल चुप हैं, जिन्होंने एक प्रोफेसर पर मार्क्स के बदले यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। मीडिया रिपोर्ट्स से पतमें देखा है, उन्हें कांग्रेस नेतृत्व के इस चुनिंदा रा चलता है कि यूनिवर्सिटी की एक इंटरनल कमिटी ने कानून के मुताबिक जांच की और कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम को यौन उत्पीड़न के आरोपों का दोषी पाया गया। हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष इस पर पूरी तरह चुप हैं।''
''लोकतंत्र ने भीड़ को जवाब दिया''
उन्होंने आगे कहा, 'जिन लोगों ने हाल ही में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष को एक महिला पुलिस अधिकारी के साथ धक्का-मुक्की करते हुए वीडियो में देखा है, उन्हें कांग्रेस नेतृत्व के इस चुनिंदा रवैये पर हैरानी नहीं होनी चाहिए। लोकतंत्र ने भीड़ को जवाब दिया है। हमारा कानूनी ढांचा ही भारतीय महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा करता है, न कि गांधी परिवार। एक बार फिर, कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष की यह चुप्पी इसी बात की पुष्टि करती है।''

असम की नगांव लोकसभा सीट पर बड़ी जीत के करीब बीजेपी, कांग्रेस को तीसरे नंबर पर धकेला

गुवाहाटीः पूर्व प्े अधिकारी और ठश्रः उम्मीदवार देवाशीष शर्मा ने नगांव लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बड़ी बढ़त बना ली है। वोटों की गिनती के दौरान उन्हें 6,83,865 वोट (कुल वोटों का 50.44 प्रतिशत) मिले हैं। वहीं ।प्न्क्थ् के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल 5,14,301 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा कांग्रेस उम्मीदवार सिबामनी बोरा 1,22,085 वोटों के साथ काफी पीछे तीसरे स्थान पर हैं। बता दें कि इस चुनाव में कुल 15 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन मुख्य मुकाबला ठश्रः, कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (।प्न्क्थ्) के बीच है।
कड़ी सुरक्षा के बीच वोटों की गिनती
नगांव के दो केंद्रों डॉसन हायर सेकेंडरी स्कूल और गवर्नमेंट बॉयज स्कूल में वोटों की गिनती हो रही है। हर केंद्र पर 14 टेबल लगाई गई हैं। दोनों

केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सभी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी तरह का जुलूस निकालने से पहले जिला प्रशासन से अनुमति लें।

नगांव सीट पर हुआ 76.19ः मतदान
बता दें कि असम की नगांव लोकसभा सीट पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव के लिए मतदान हुआ था। इस दौरान कुल 76.19ः मतदान हुआ था। यह उपचुनाव तब जरूरी हो गया था, जब कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने इस्तीफा दे दिया था और इस साल की शुरुआत में ठश्रः के टिकट पर दिसपुर से विधानसभा चुनाव लड़ा और जीता था। हालांकि, इस नतीजे का संसद में सत्ता के संतुलन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बता दें कि नगांव निर्वाचन क्षेत्र में 19.05 लाख मतदाता हैं, जिनमें 9.43 लाख महिलाएं और 50 थर्ड-जेंडर मतदाता शामिल हैं। ये सभी 2,312 मतदान केंद्रा.

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

नींद में बड़बड़ाना, सिर्फ एक आम आदत या किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत?

नींद में बोलना या बड़बड़ाना एक आम समस्या है, जिसे मेडिकल भाषा में 'सोमनिलोकी' कहा जाता है। इसमें व्यक्ति सोते समय कुछ शब्द बोल सकता है, अधूरे वाक्य कह सकता है या कभी-कभी जोर से चिल्ला भी सकता है। अक्सर व्यक्ति को सुबह उठने पर याद नहीं रहता कि उसने रात में क्या कहा था। आमतौर पर यह समस्या गंभीर नहीं होती, लेकिन यदि यह बार-बार हो या इसके साथ अन्य लक्षण दिखाई दें, तो इस पर ध्यान देना जरूरी है। डॉ. समीर भार्गव, मनोचिकित्सक, ध्ध्त्‍ गुरुग्राम बता रहे कि ये नॉर्मल है या किसी बीमारी का संकेत। नींद में बड़बड़ाने के क्या कारण हो सकते हैं?

साइकेट्रिस्ट के अनुसार, नींद में बड़बड़ाने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव, चिंता, नींद की कमी और अनियमित डेली रूटीन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। जब व्यक्ति अधिक तनाव में होता है या किसी बात को लेकर लगातार सोचता रहता है, तो उसकी नींद प्रभावित हो सकती है। इसका असर कभी-कभी नींद के दौरान बोलने के रूप में भी दिखाई देता है। इसके अलावा, बुखार, कुछ दवाओं का असर, शराब का सेवन और नींद से जुड़ी अन्य समस्याएं भी इसका कारण बन सकती हैं। बच्चों में नींद के दौरान बड़बड़ाना सामान्य है और उम्र बढ़ने के साथ यह कम भी हो सकता है।क्या यह किसी मानसिक बीमारी का संकेत है?नींद में बड़बड़ाने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति किसी मानसिक बीमारी से पीड़ित है। हालांकि, यदि इसके साथ लगातार चिंता, उदासी, चिड़चिड़ापन, डर या व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दें, तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना सही है। कुछ मामलों में नींद में बोलना अन्य नींद संबंधी विकारों के साथ भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि व्यक्ति सोते समय चिल्लाता है, हाथ-पैर चलाता है, डरकर उठ जाता है या अपने सपनों के अनुसार शारीरिक गतिविधियाँ करता है, तो इसकी जाँच जरूरी हो सकती है। इसके अलावा, यदि खर्राटों के साथ साँस रुकने जैसी समस्या हो, तो स्लनियमित रखना जरूरी है। वयस्कों को आमतौर पर प्रतिदिन सात से नौ घंटे की नींद लेनी चाहिए। सोने से पहले मोबाइल फोन का इस्तेमाल कम करना, कैफीन का सेवन सीमित मात्रा में करना और तनाव कम करने के लिए ध्यान या गहरी सांस लेने जैसे अभ्यास करना भी मददगार हो सकता हैकब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए? यदि नींद में बड़बड़ाने की समस्या अचानक शुरू हो, बार-बार होने लगे, नींद की गुणवत्ता प्रभावित करे या इसके साथ चिल्लाना, हिंसक गति. विधियां, चोट लगना अथवा दिन में अत्यधिक नींद आना जैसे लक्षण हों, तो डॉक्टर से संपर्क करें। जरूरत पड़ने पर साइकेट्रिस्ट या नींद संबंधी विकारों के विशेषज्ञ आगे की जांच की सलाह दे सकते हैं। नींद में बड़बड़ाना हमेशा किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। सही दिनचर्या, पर्याप्त नींद और तनाव पर नियंत्रण से इसमें सुधार हो ीप एपनिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए।नींद में बड़बड़ाने से बचने के लिए क्या करें?इस समस्या को कम करने के लिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना और सोने-जागने का समय ीप एपनिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए।नींद में बड़बड़ाने से बचने के लिए क्या करें?इस समस्या को कम करने के लिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना और सोने-जागने का समय सकता है। हालांकि, लगातार बने

बादाम, अखरोट समेत मिक्स्ड नट्स खाने से क्या फायदे मिलते हैं? गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने बताया कितना खाना चाहिए

मिक्स नट्स को पावरहाउस के रूप में जाना जाता है। इनमें हेल्दी फैट, प्रोटीन, फाइबर के साथ विटामिन और मिनिरल्स पाए जाते हैं। लेकिन उनके फायदे सिर्फ शरीर को पोषण देने तक सीमित नहीं हैं। इन्हें डाइट में शामिल करने से सेहत को कई अन्य फायदे भी मिल सकते हैं। फ्लोरिडा के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर जोसेफ सल्हाब बता रहे हैं इन्हें रोजाना खाने से आपको कौन से फायदे मिल सकते हैं और कितनी मात्रा में इनका सेवन करना सही है। नट्स खाने से मिलते हैं सेहत को ये फायदेकोलन कैंसर: नियमित रूप से नट्स खाने से कोलन कैंसर का खतरा कम होता है। अखरोट पर सबसे ज्यादा रिसर्च हुई है क्योंकि इनमें फाइबर, पॉलीफेनोल्स और हेल्दी फैट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो गट माइक्रोबायोम और कोलन की सेहत के लिए अच्छे होते हैं।

फैटी लिवर में फायदेमंद: नट्स लिवर की सेहत के लिए भी खरोट आपको बेहतर नींद में भी मदद कर सकते हैं क्योंकि इनमें नैचुरली मेलाटोनिन और ट्रिप्टोफैन होते हैं, जो आपकी नींद और जागने के चक्र (स्लीप-वेक साइकिल) में अहम भूमिका निभाते हैं।

पित्त की पथरी का खतरा होता है कम: नियमित रूप से नट्स खाने से पित्त की पथरी की बीमारी का खतरा भी कम होता है, जबकि अखरोट और दूसरे ट्री नट्स ट्राइग्लिसराइड्स, स्कर कोलेस्ट्रॉल और दिल की सेहत को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

कितनी मात्रा में खाना चाहिए?

दिनभर में लगभग 28 से 30 ग्राम यानी एक मुट्ठी नट्स खाना हेल्दी माना जाता है। वहीं एक हफ्ते में आपको लगभग 50 से 60 ग्राम नट्स खाने से आपको फाइबर, हेल्दी फैट्स, विटामिन म, एंटीऑक्सीडेंट्स और ऐसे बहुत अच्छे होते हैं। इनमें अनसैचुरेटेड फैट्स, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन म होते हैं. फैटी लिवर की बीमारी पर हुई रिसर्च में इन चीजों का जिक्र मिलता है।याददाश बढ़ती है: ज्यादा नट्स खाने से डिमेंशिया और सोचने-समझने की क्षमता कम होने (कॉग्निटिव डिक्लाइन) का खतरा भी कमरिसर्च में इन चीजों का जिक्र मिलता होता है। नट्स जैसे अखरोट और बादाम में विटामिन ई और पॉलीफेनोल्स प्रचुर मात्रा में होते हैं। ये दिमाग की कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और डैमेज से बचाते हैं।नींद होती है बेहतर: अखरोट आपको बेहतर नींद में भी मदद कर सकते हैं क्योंकि इनमें नैचुरली मेलाटोनिन और ट्रिप्टोफैन होते हैं, जो आपकी नींद और जागने के चक्र (स्लीप-वेक साइकिल) में अहम भूमिका निभाते हैं।

पित्त की पथरी का खतरा होता है कम: नियमित रूप से नट्स खाने से पित्त की पथरी की बीमारी का खतरा भी कम होता है, जबकि अखरोट और दूसरे ट्री नट्स ट्राइग्लिसराइड्स, स्कर कोलेस्ट्रॉल और दिल की सेहत को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

कितनी मात्रा में खाना चाहिए?

दिनभर में लगभग 28 से 30 ग्राम यानी एक मुट्ठ इनमें नैचुरली मेलाटोनिन और ट्रिप्टोफैन होते हैं, जो आपकी नींद और जागने के चक्र (स्लीप-वेक साइकिल) में अहम भूमिका निभाते हैं।

ी नट्स खाना हेल्दी माना जाता है। वहीं एक हफ्ते में आपको लगभग 50 से 60 ग्राम नट्स खाने से आपको फाइबर, हेल्दी फैट्स, विटामिन म, एंटीऑक्सीडेंट्स और ऐसे न्यूट्रिएंट्स मिल सकते हैं जो आपके कोलन, दिनभर में लगभग 28 से 30 ग्राम यानी एक मुट्ठी नट्स खाना हेल्दी माना जाता है। वहीं एक हफ्ते में लवर, दिमाग, नींद, दिल और गट की सेहत को बेहतर बनाते हैं।

कैसे पता करें कि आपको हेपेटाइटिस का टीका लगा है या नहीं, क्या सभी को एक बार हेपेटाइटिस की जांच करानी चाहिए?

घ्हेपेटाइटिस ठ और ब को ''साइलेंट किलर'' कहा जाता है, क्योंकि इनके वायरस दशकों तक बिना किसी खास लक्षण के लिवर को नुकसान पहुंचाते रहते हैं। अगर आपके पास रिकॉर्ड नहीं है कि आपको घ्हेपेटाइटिस का टीका लगा है या नहीं तो आपको इसका पता लगाना चाहिए। इसका पता लगाने के लिए डॉक्टर की सलाह से टेस्ट करवा सकते हैं।

डॉक्टर निर्देश चौहान, कंसल्टेंट, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, फरीदाबाद) के मुताबित हर किसी को अपनी लाइफ में कम से कम एक बार हेपेटाइटिस ठ और ब की स्क्रीनिंग जरूर करानी चाहिए। मरीज में जब तक पीलिया, थकान या पेट में पानी भरने जैसे लक्षण प्रकट होते हैं, तब तक अक्सर सिरोसिस या लिवर कैंसर की स्थिति बन चुकी होती है। जीवन में एक बार भ्ठ।ह हेपेटाइटिस ठ के लिए और ।दजप-भ्ब्ट हेपेटाइटिस ब के लिए ब्लड टेस्ट करवाकर समय रहते संक्रमण की पहचान और प्रभावी इलाज संभव है।टीका लगा है या नहीं, यह कैसे पता करें?

घफिलहाल केवल हेपेटाइटिस । और ठ के टीके उपलब्ध हैं। हेपेटाइटिस ब का कोई टीका नहीं है। हेपेटाइटिस ठ के प्रति अपनी प्रतिरक्षा यानि इम्यूनिटी जांचने के लिए आप कुछ कदम उठा सकते हैं।घ्टाइटर 10 उप्ध्ठस या अधिक- इसका अर्थ है कि आपके शरीर में सुरक्षात्मक एंटीबॉडी मौजूद हैं और आप हेपेटाइटिस ठ से सुरक्षित (इम्यून) हैं।टाइटर 10 उप्ध्ठस से कम- इसका मतलब है कि आप सुरक्षित नहीं हैं। यदि आपका भ्ठ।ह टेस्ट भी निगेटिव है, तो आपको 3 खुराकों वाला प्राथमिक टीका शेड्यूल (0, 1 और 6 महीने) या डॉक्टर की सलाह पर बूस्टर डोज लगवानी चाहिए।

घ्नेचुरल इन्फेक्शन बनाम वैक्सीनेशन (।दजप-भ्ठब ज्यजंस)

घ्यदि ।दजप-भ्ठे पॉजिटिव है, तो ।दजप-भ्ठब ज्यजंस टेस्ट से यह पता चलता है कि एंटीबॉडी टीके से बनी हैं (।दजप-भ्ठब निगेटिव) या पुराने ठीक हो चुके संक्रमण से (।दजप-भ्ठब पॉजिटिव)।

घ्टीकाकरण रिकॉर्ड का रिकॉर्ड

घ्भारत में हेपेटाइटिस ठ वैक्सीन को 2007द्2008 के आसपास राष्ट्रीय सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (न्प्ध् में चरणबद्ध रूप से शामिल किया गया था। अगर आपका जन्म इससे पहले हुआ है और कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं है, तो ब्लड सीरोलॉजी (।दजप-भ्ठे) जांच ही टीकाकरण की स्थिति जानने का सबसे सटीक और वैज्ञानिक तरीका है।

क्या आप जानते हैं पैरों में भी ब्लड प्रेशर नापते हैं, ब्लॉकेज का पता लगाने के लिए आसान है टेस्ट, घर पर कर सकते हैं

क्पेबसंपउमतः (इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानक. री के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।)

ॅ फेडरल कोर्ट ने एंथ्रोपिक की चुनौती को किया खारिज, पेंटागन अपने सिस्टम से ब्संनकम मॉडल को हटाना रखेगा जारी

हैदराबाद: पेंटागन के साथ एंथ्रोपिक के विवाद में एक नया मोड़ आया है. शुक्रवार को एक फेडरल अपील कोर्ट ने एंथ्रोपिक की उस चुनौती को खारिज कर दिया, जिसमें उसने सरकार द्वारा उसे 'सप्लाई चेन रिस्क' करार दिए जाने का विरोध किया था. इस फैसले के बाद पेंटागन अपने सिस्टम से एंथ्रोपिक के ब्संनकम मॉडल को हटाना जारी रख सकता है और रक्षा विभाग के कामों में उसके उत्पादों के इस्तेमाल पर रोक लगा सकता है.डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया सर्किट के लिए न्. कोर्ट ऑफ अपील्स के जजों ने पेंटागन के पक्ष में 2-1 से फैसला सुनाया. पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, ''आज क्ब् सर्किट कोर्ट का फैसला डिपार्टमेंट के रुखः को पूरी तरह सही ठहराता है.'' ।- कंपनी और सरकार के बीच विवाद फरवरी में तब शुरू हुआ, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एंथ्रोपिक पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरो. प लगाया और कंपनी को सप्लाई चेन के लिए जोखिम करार दिया.एन्थ्रोपिक के ब्म् डारियो अमोदेई ने इन चिंताओं के बावजूद पीछे हटने से इनकार कर दिया कि कंपनी के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर निगरानी या खुद से चलने वाले हथियारों से लैस ड्रोन के लिए किया जा सकता है.

यह फैसला इस गर्मी में कैलिफोर्निया में आए उस फैसले से अलग है, जिसमें एक फेडरल जज ने पाया था कि पेंटागन ने ।- के इस्तेमाल पर अपनी राय की आलोचना करने के लिए ।- कंपनी को सजा देकर गैर-कानूनी काम किया था.

इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन, क.ब् में दायर यह केस पेंटागन के एक अलग नियम पर केंद्रित था, जिसका इस्तेमाल करके वह ।दजीतवचपब को सप्लाई चेन के लिए जोखिम घोषित करने की कोशिश कर रहा था.

बहुमत की राय में कहा गया है कि पेंटागन के पास अपने कदमों के लिए पर्याप्त आधार था. इसमें यह भी बताया गया है कि खुद एंथ्रोपिक ने माना है कि ''कंपनी ब्संनकम में ऐसी पाबंदियां लगाती है, जो मॉडल को उन कामों को करने से रोकती हैं, जिन्हें एंथ्रोपिक नहीं होने देना चाहता. ''जज ग्रेगरी जी. कत्सास ने बहुमत की राय में लिखा कि, 'विभाग को उचित रूप से यह आशंका थी कि एंथ्रोपिक, ब्संनकम के डिजाइन में हेर-फेर कर सकता है, ताकि उसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े वे काम करने से रोका जा सके, जिन्हें विभाग अनुबंध के तहत अधिकृत और जरूरी मानता है.''बहुमत बनाने वाले कात्सास और जज नियोमी राव, दोनों को ही ट्रंप ने नॉमिनेट किया था. असहमति जताने वाली एकमात्र जज, करेन लेक्राफ्ट हेंडरसन को रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने नॉमिनेट किया था.

जजों ने कहा कि उन्हें इस बात पर शक करने की कोई वजह नहीं है कि एंथ्रोपिक, ब्संनकम पर पाबंदी लगाने में नेक इरादों के साथ काम करता है, खासकर प्राइवेसी और ।- सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के मामले में. लेकिन उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में सप्लाई चेन रिस्क की परिभाषा इस बात पर

श्वेता विजन
सच देखें | सही दिखाए

अक्टूबर 2026 में भारत की कार बाजार में लग्जरी से लेकर इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड मॉडल तक कई नई कारें लॉन्च हो सकती है.

हैदराबाद: अक्टूबर 2026 यानी इस महीने भारत में कई नई कार लॉन्च हो सकती है. यह त्योहारों का महीना है और इस महीने कई कार कंपनियां अपनी नई और अपडेटेड कार मार्केट में पेश करने वाली हैं. इनमें लग्जरी सेडान से लेकर आम परिवारों के लिए हैचबैक और इलेक्ट्रिक एसयूवी तक सब कुछ शामिल है. इस लिस्ट में स्कोडा, हॉन्डा, वोल्वो, टोयोटा और ऑडी समेत कई कंपनियों की गाड़ियां शामिल हैं. आइए हम अपकमिंग कारों के बारे में जानते हैं.ढ्गतबमक मे–डलइंवी ँ–ब्सें थ्वमसपजि को भारत में 5 अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा. इसमें बड़ा इल्यूमिनेटेड मेबैक ग्रिल होगा. हेडलैम्प्स नए डिजाइन के होंगे, जिनमें 3–पॉइंटेड स्टार्स बने होंगे. डी–पिलर पर इल्यूमिनेटेड मेबैक लोगो भी दिखेगा. 20 और 21 इंच के नए एलॉय व्हील्स मिलेंगे. अंदर सुपरस्क्रीन सिस्टम होगा, जिसमें 12.3 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 14.4 इंच सेंट्रल टचस्क्रीन और 12.3 इंच पैसेंजर डिस्प्ले होगा. इसके पीछे की सीटों में वेंटिनेशन, हीटिंग और मसाज के फीचर्स भी होंगे. हालांकि, पावरफुल इंजन के बारे में अभी तक कुछ भी कंफर्म नहीं है. इसका मौजूदा मॉडल 2.87 करोड़ रुपये का है।वक ॅसंअप थ्वमसपजिवक ॅसंअप थ्वमसपजि को भारत में 6 अक्टूबर को लॉन्च किया जा सकता है. बाहरी डिजाइन में नया बिप, रीडिजाइन एलईडी हेडलैम्प्स और टेल लैम्प्स, नए अलॉय व्हील्स और रिफ्रेश्ड बंपर्स होंगे. इसके अंदर 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 10.1 इंच टचस्क्रीन और 360 डिग्री कैमरा मिलेगा. इसके हाई वेरिएंट में रियर सीट मसाज भी होगा, जो सेगमेंट में पहली बार है. 1 लीटर टर्बो पेट्रोल के साथ 8–स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक आएगा, जबकि 1.5 लीटर वाला 7–ेचममक कनंस–बसनजबी रखेगा. इसकी कीमत में 20 हजार से 50 हजार रुपये तक बढ़ोतरी हो सकती है. इस नई गाड़ी का मुकाबला भ्लनदकंप टमतदं, ब्वदक ब्यजल और टवसौेहमद टपतजने से होगा.इस गाड़ी को भी 6 अक्टूबर को लॉन्च किया जा सकता है. इसमें रिवाइज्ज्ड

एक्सटीरियर स्टाइलिंग, अपडेटेड लाइटनिंग और रीडिजाइन ग्रिल होगा. इसके केबिन में वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स जैसे फीचर्स जुड़ सकते हैं. इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन होगा. इस गाड़ी की टक्कर भ्लनदकंप ब्तमजं, ज्ञपं ैमसजवे, डंतनजप ळतंदक टपजंतं, ज्वलवजं न्तइंद ब्तनपेमत भ्लतलकमत, टवसौेहमद ज्पहनंद और ेावकं ज्ञनेीूं जैसी कारा. ें से होगी.टवसअव म्ग्90टवसअव म्ग्90 की लॉन्च डेट 12 अक्टूबर को तय की गई है. यह वोल्वो की फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी है, दो ग्ब्90 का इलेक्ट्रिक वर्जन है. इसमें डुअल–मोटर ऑल–व्हील–ड्राइव सिस्टम और करीब 600 किलोमीटर की रेंज का दावा किया गया है. यह तीन–रो सीटिंग कैपेसिटी और लेटेस्ट सेफ्टी फीचर्स के साथ लॉन्च होगी. इसकी हेडलाइट्स ऐसे एलईडी वाले हैं, जो जलने पर खुलते हैं. यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में जगह बनाएगी.

यह भी पढ़ें: छम्ग्वद म्ट से लेकर भ्ंततपमत म्ट तक, अब टाटा की सभी इलेक्ट्रिक कारों में मिलेगी ये की सुविधाटवसअव म्ै90वोल्वो की इस गाड़ी को भी 12 अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा. यह इलेक्ट्रिक सेडान है, जिसमें ष्जैवतष् ।उउमत स्टाइल के हेडलैम्प्स हैं. इसकी पावर 333ीच् से लेकर 680ीच् तक हो सकती है. इसके अंदर मिनिमली डिजाइन्ड इंटीरियर्स और बड़ा बैटरी पैक होगा. यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेडान सेगमेंट में बाकी गाड़ियों से मुकाबला करेगी.

ज्वलवजं ळसंदां थ्वमसपजि14 अक्टूबर को टोयोटा ळसंदां थ्वमसपजि लॉन्च कर सकती है. इसमें डंतनजप टपजंतं बिमसपजि जैसा अपडेट हो सकता है. इसमें नया फ्रंस फेसिया, अपडेटेड अलॉय व्हील्स और शायद एक लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन भी मिल सकता है. वेंटिलेटेड सीट्स, टायर–प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और स्मअमस–2 ।क्।ै जैसे फीचर्स जुड़ सकते हैं. ऐसा भी कहा जा रहा है कि इस गाड़ी का ब्छळ ऑटोमैटिक ऑप्शन भी आ सकता है. इस गाड़ी का मुकाबला डंतनजप ैनरनाप ठंसमदव, भ्लनदकंप प्20 और ज्ंजं ।सजतव्र से होगी.

।नकप फ316 अक्टूबर को नई जनरेशन ।नकप फ3 लॉन्च किया जाएगा. इसका पूरी बाहरी डिजाइन बदला गया है और साइज भी थोड़ा बड़ा हो गया है. इसके अंदर डिजिटल कॉकपिट और बड़ा सेंट्रल टचस्क्रीन मिलेगा. इंजन 2 लीटर टर्बो पेट्रोल का इंजन होगा, जो करीब 204ीच् पावर और 320छउ टॉर्क देगा. इसके साथ 7–स्पीड डुअल क्लच गियरबॉक्स और क्वॉट्रो ऑल–व्हील ड्राइव का ऑप्शन भी होगा. इस गाड़ी की टक्कर ठडॅ ग्1 और डमतबमकमे–ठमद्र ळस्। से होगी.

क्या आप भी फैटी लिवर डिजीज से हैं परेशान? तो इसे नेचुरली कंट्रोल में रखने के लिए ये चीजें खाएं

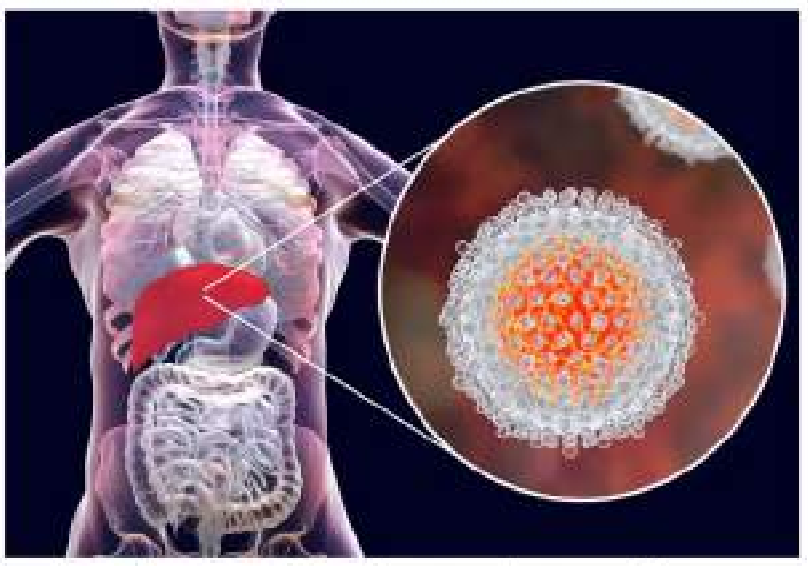

डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की तरह ही, आजकल फैटी लिवर की बीमारी पर भी काफी चर्चा हो रही है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुस्त जीवनशैली, खान–पान की आदतें, मोटापा और बहुत ज्यादा शराब पीना इस बीमारी के मुख्य कारण है. इस बीमारी का सही समय इलाज न होने पर लिवर को काफी नुकसान पहुंच सकता है. फैटी लिवर की बीमारी को कंट्रोल करने में खान–पान की अहम भूमिका होती है. ऐसे में आइए इस खबर में जानते हैं कि लिवर को स्वस्थ रखने और इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए किस तरह का खाना खाना चाहिए...लहसुन: जानकारों का कहना है कि यह लिवर में फैट जमा होने से रोकता है. साइंसडायरेक्ट के अनुसार, रोजाना थोड़ी मात्रा में कच्चा लहसुन खाने या इसे खाने में शामिल करने से लिवर की सेहत अच्छी रहती है. लहसुन में पाया जाने वाला 'एलिसिन' नाम का तत्व लिवर का फैट कम करने में मदद करता है.

टोफू: यह पौधों से मिलने वाला प्रोटीन है. जानकारों का कहना है कि इसमें फैट कम होता है और यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाने में मददगार माना जाता है. टोफू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट लिवर की सूजन को कम करने और सेल्स को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं.

कॉफी: कई स्टडीज से पता चला है कि कॉफी पीने से लिवर एंजाइम का लेवल कम होता है और सूजन भी घटती है. जानकारों का कहना है कि कॉफी में मौजूद कैफीन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ता है. रोजाना दो से तीन कप कॉफी पीने से लिवर फाइब्रोसिस और सिरोसिस का खतरा कम हो सकता है. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, रोजाना दो कप कॉफी पीने से लिवर कैंसर का खतरा 43 फीसदी तक कम हो सकता है.

ग्रीन टी: जानकारों का कहना है कि इसमें 'कैटेचिन' (बंजमबीपदे) नाम के शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. ये न सिर्फ लिवर की चर्बी कम करते हैं, बल्कि अपने एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों की वजह से सूजन भी कम करते हैं. मायो क्लिनिक के अनुसार, ब्लैक कॉफी, ग्रीन टी और अखरोट में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण लिवर की चर्बी कम करने में मदद करते हैं.

क्रूसिफेरस सब्जियां: ब्रोकली, फूलगोभी और पत्तागोभी जैसी सब्जियां लिवर में डिटॉक्स करने वाले एंजाइम को सक्रिय करती हैं. इनमें मौजूद प्राकृतिक कंपाउंड और एंटीऑक्सीडेंट लिवर की कोशिकाओं की रक्षा करते हैं.

अखरोट: इनमें ओमेगा–3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. जानकारों का कहना है कि नियमित रूप से अखरोट खाने से फैटी लिवर की समस्या कम हो सकती है. साथ ही, ये लिवर एंजाइम के काम को बेहतर बनाने में भी मदद करते हैं.

एवोकाडो: इस फल में ग्लूटाथियोन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है. जानकारों के मुताबिक, यह लिवर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है. एवोकाडो में पाए जाने वाले विटामिन ब्, ठ9 और म् के साथ–साथ ओलिक एसिड भी लिवर की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं.

बेरीज: जानकारों का कहना है कि ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रास्पबेरी में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये लिवर की सूजन कम करने और सेल्स की मरम्मत में मदद करते हैं.

'सड़क पर बेहोश हो गई', 27 की उम्र में सैफ अली खान की बहन सबा को हुआ था ब्रेन ट्यूमर, बोली– एक दिन सब ठीक, अगले दिन ब्रेन सर्जरी की बात

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान की बहन और सोहा अली खान की बड़ी बहन सबा पटौदी ने अपनी जिंदगी से जुड़े एक ऐसे अनुभव का खुलासा किया है, जिसने उन्हें अंदर तक हिला दिया था। सबा ने बताया कि महज 27 साल की उम्र में उन्हें ब्रेन ट्यूमर होने का पता चला था। सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि इससे पहले उन्हें ऐसा कोई संकेत नहीं मिला था, जिससे उन्हें किसी गंभीर बीमारी का अंदाजा हो सके। एक दिन अचानक बेहोश होने के बाद जब उन्होंने मेडिकल जांच कराई, तो उनके दिमाग में एक संदिग्ध निशान दिखाई दिया। इसके बाद जांच और इलाज का सिलसिला शुरू हुआ। हाल ही में अपनी बहन सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान सबा ने इस मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने बताया कि ब्रेन सर्जरी की बात सुनना उनके लिए कितना डरावना था, उन्होंने इलाज में देरी क्यों नहीं करना चाहा और इस अनुभव को सार्वजनिक करने का फैसला क्यों लिया।

अचानक बेहोश हुई थीं सबा पटौदी

सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान सबा ने बताया कि उनके साथ हुई यह घटना बिल्कुल अप्रत्याशित थी। उन्हें न तो पहले से कोई खास परेशानी महसूस हो रही थी और न ही ऐसे लक्षण दिखाई दिए थे, जिनसे उन्हें अंदाजा हो सके कि उनके दिमाग में कोई गंभीर समस्या हो सकती है। शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद उन्होंने कुछ ऐसा खा या पी लिया है, जिससे उनका पेट खराब हो गया है। सबा के मुताबिक, उनका पेट पहले से संवेदनशील रहा है, इसलिए उन्होंने बेहोशी की आशंका को भी शुरुआत में इसी परेशानी से जोड़कर देखा। सबा ने बताया कि उस दिन वह अपनी एक दोस्त के साथ बाहर जाने वाली थीं। इसी दौरान उन्हें असहज महसूस होने लगा। उन्होंने अपनी दोस्त से कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं लग रही है और उन्हें घर लौट जाना चाहिए। लेकिन इससे पहले कि वह कुछ समझ पातीं, अचानक सब कुछ अंधेरा हो गया और वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। जब उन्हें होश आया तो वह इमारत के बाहर सड़क पर थीं। इस घटना ने उन्हें हैरान कर दिया, क्योंकि इससे पहले उन्होंने इस तरह की स्थिति का अनुभव नहीं किया था।

दो बार बेहोश होने के बाद कराई जांच

सबा ने बातचीत में बताया कि होश आने के बाद भी उनकी परेशानी पूरी तरह खत्म नहीं हुई थी। उन्हें काफी देर तक सामान्य महसूस करने में मुश्किल हुई। करीब 20 से 25 मिनट तक वह पूरी तरह सचेत होने की कोशिश करती रहीं। उस दौरान उन्हें अपने आसपास की चीजों को समझने में भी परेशानी हो रही थी। उन्होंने अपनी दोस्त से दोबारा कहा कि उन्हें घर लौटना चाहिए, क्योंकि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। कुछ समय तक वह असहज और भ्रमित महसूस करती रहीं। सबा के लिए यह अनुभव इसलिए भी डरावना था, क्योंकि पहले वह बेहोशी को ब्लड प्रेशर कम होने या तेज रोशनी देखने जैसी स्थितियों से जोड़कर समझती थीं। लेकिन इस बार उन्हें अचानक पूरी तरह ब्लैकआउट जैसा महसूस हुआ। घटना के बाद जब उन्होंने डॉक्टरों से संपर्क किया और एमआरआई जांच कराई तो उनके दिमाग के तीसरे वेंट्रिकल में एक संदिग्ध निशान दिखाई दिया। तीसरा वेंट्रिकल दिमाग के भीतर मौजूद एक ऐसा हिस्सा है, जो मस्तिष्क में सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड के प्रवाह से जुड़ा होता है।

एमआरआई में दिखा निशान, डॉक्टरों को था दूसरी बीमारी का शक

एमआरआई रिपोर्ट में दिमाग के तीसरे वेंट्रिकल के पास दिखाई दिए निशान को लेकर डॉक्टरों ने शुरुआत में कोलॉइड सिस्ट होने की आशंका जताई। कोलॉइड सिस्ट दिमाग में बनने वाली एक प्रकार की गांठ होती है। डॉक्टरों ने शुरुआती तौर पर इसे धीमी गति से बढ़ने वाली समस्या बताया था। हालांकि, सबा की अचानक बेहोशी की घटनाओं ने उन्हें चिंता में डाल दिया था। उन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि जब इससे पहले कोई स्पष्ट लक्षण नहीं थे तो अचानक ऐसी स्थिति कैसे पैदा हो गई। शुरुआती एमआरआई के करीब छह महीने बाद सबा की सर्जरी हुई। ऑपरेशन के बाद पता चला कि उनके दिमाग में पाइलोसाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा नाम का ट्यूमर था। यह आमतौर पर कम ग्रेड का और धीरे–धीरे बढ़ने वाला ब्रेन ट्यूमर माना जाता है। हालांकि किसी भी ट्यूमर का असर उसकी स्थिति, आकार और आसपास के महत्वपूर्ण हिस्सों पर निर्भर करता है। सबा के मामले में इस बीमारी का पता चलना उनके लिए बड़ा झटका था, क्योंकि 27 साल की उम्र में उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें ब्रेन सर्जरी जैसी स्थिति से गुजरना पड़ेगा।

ब्रेन सर्जरी की बात सुनकर टूट गई थीं सबासबा ने बताया कि जब उन्हें पहली बार पता चला कि उन्हें ब्रेन सर्जरी करानी पड़ सकती है तो उनके लिए इस खबर को स्वीकार करना आसान नहीं था। उनकी जिंदगी अचानक बदल गई थी। एक दिन तक सब कुछ सामान्य लग रहा था और अगले ही दिन उन्हें पता चला कि उनके दिमाग में ट्यूमर है। इस खबर ने उन्हें भावनात्मक रूप से झकझोर दिया। उन्होंने बताया कि उस समय वह कई बार बिना किसी स्पष्ट वजह के रोने लगती थीं। उन्हें खुद भी समझ नहीं आता था कि वह इतनी भावुक क्यों हो रही हैं। दरअसल, वह ऐसी परिस्थिति से जूझ रही थीं, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी। सबा के मुताबिक ऐसी खबर मिलने के बाद जिंदगी कुछ समय के लिए ठहर–सी जाती है। रोजमर्रा की चीजें भी पहले जैसी सामान्य नहीं लगतीं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि मुश्किल हालात इंसान को मजबूत बनने और परिस्थितियों का सामना करने की ताकत देते हैं।दूसरों पर निर्भर होने का डर भी सता रहा थासबा ने बातचीत में अपने उस डर के बारे में भी बताया, जिसे वह उस समय महसूस कर रही थीं। उन्हें चिंता थी कि कहीं सर्जरी के बाद उन्हें रोजमर्रा के कामों के लिए दूसरों पर निर्भर न होना पड़े। वह अपनी स्वतंत्रता खोने के विचार से परेशान थीं और नहीं चाहती थीं कि उनकी देखभाल के लिए किसी दूसरे व्यक्ति को हर समय साथ रहना पड़े। उन्होंने बताया कि उनके लिए यह सिर्फ बीमारी से लड़ने का मामला नहीं था, बल्कि अपने भविष्य और जीवन की सामान्य परिस्थितियों को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता से निपटना भी था। ऐसे समय में उन्होंने और उनके परिवार ने इलाज के विकल्पों को समझने और सही सर्जन तक पहुंचने की कोशिश की। सबा ने बताया कि उन्होंने अपनी तरफ से जानकारी जुटाई और इलाज को लेकर फैसला करने में सक्रिय भूमिका निभाई।आखिर क्यों सर्जरी में देरी नहीं करना चाहती थीं सबा?

सबा के मुताबिक डॉक्टरों ने शुरुआती जांच के बाद जब इसे कोलॉइड सिस्ट समझा था, तब उन्हें बताया गया था कि यह धीरे–धीरे बढ़ने वाली समस्या है और जरूरत पड़ने पर सर्जरी को दो साल तक टाला जा सकता है, लेकिन वह पहले ही दो बार बेहोश हो चुकी थीं। इसी वजह से उन्हें डर था कि अगर दोबारा ऐसी घटना हुई तो स्थिति गंभीर हो सकती है। सबा ने बताया कि वह दोबारा बेहोश होने और फिर होश नहीं आने की आशंका को लेकर सहज नहीं थीं। इसलिए वह इलाज को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती थीं। सर्जरी के दौरान डॉक्टरों को पता चला कि ट्यूमर दिमाग के उस हिस्से से जुड़ा था, जिसका संबंध शॉर्ट–टर्म मेमोरी यानी अल्पकालिक याददाश्त से है। ऐसे संवेदनशील हिस्से के पास मौजूद ट्यूमर को हटाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना जरूरी था।

सबा के अनुसार सर्जिकल टीम ने आसपास के महत्वपूर्ण हिस्सों को नुकसान पहुंचाए बिना जितना संभव था, उतना ट्यूमर हटाया। उन्होंने यह भी बताया कि वह चाहती थीं कि इलाज के दौरान ही समस्या को पूरी तरह खत्म कर दिया जाए। जब डॉक्टर ने जरूरत पड़ने पर रेडिएशन को एक विकल्प बताया, तो उन्होंने सवाल किया कि अगर आगे इलाज की जरूरत पड़ सकती है तो उसे उसी समय क्यों नहीं किया जाए। हालांकि डॉक्टर ने उन्हें समझाया कि बिना चिकित्सकीय जरूरत के अतिरिक्त इलाज करना सही नहीं है। उन्होंने साफ किया कि रेडिएशन तभी दिया जाएगा, जब मेडिकल स्थिति के अनुसार इसकी आवश्यकता होगी। इस बातचीत से सबा को यह समझने में मदद मिली कि इलाज में हर कदम सावधानी और विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर उठाया जाता है।

अपनी कहानी बताकर दूसरे लोगों की मदद करना चाहती हैं सबा

सबा पटौदी ने अपनी बीमारी से जुड़ा अनुभव सार्वजनिक करने के पीछे की वजह भी बताई। उनका मानना है कि जब लोग अपने जीवन के मुश्किल अनुभव साझा करते हैं, तो संभव है कि किसी दूसरे व्यक्ति को उनसे मदद मिल जाए। कई बार लोग अपनी परेशानियों के बारे में बात करने से हिचकिचाते हैं। उन्हें डर होता है कि दूसरे लोग क्या सोचेंगे या उनकी बात को किस तरह लिया जाएगा। सबा के मुताबिक अपने अनुभव साझा करने से लोगों को सही जानकारी हासिल करने और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों से संपर्क करने का आत्मविश्वास मिल सकता है। उनकी कहानी इस बात की याद दिलाती है कि अचानक बेहोश होने जैसी घटना और उनके परिवार ने इलाज के विकल्पों को समझने और सही सर्जन तक पहुंचने की कोशिश की। सबा ने बताया कि उन्होंने अपनी तरफ से जानकारी जुटाई और इलाज को लेकर फैसला करने में सक्रिय भूमिका निभाई।आखिर क्यों सर्जरी में देरी नहीं करना चाहती थीं सबा?

सबा के मुताबिक डॉक्टरों ने शुरुआती जांच के बाद जब इसे कोलॉइड सिस्ट समझा था, तब उन्हें बताया गया था कि यह धीरे–धीरे बढ़ने वाली समस्या है और जरूरत पड़ने पर सर्जरी को दो साल तक टाला जा को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसके कई कारण हो सकते हैं, इसलिए ऐसी स्थिति में चिकित्सकीय जांच जरूरी है। हालांकि हर बार बेहोशी का संबंध ब्रेन ट्यूमर से नहीं होता और बीमारी का पता केवल लक्षणों के आधार पर नहीं लगाया जा सकता।

श्वेता विज़न
सच देखे | सही दिखाए

धनंजय डिसिल्वा ने श्रीलंका टेस्ट टीम की छोड़ी कप्तानी, इस खिलाड़ी को बनाया गया कप्तान

कोलंबो (श्रीलंका): श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को गुरुवार को बड़ा झटका तब लगा, जब टेस्ट टीम के कप्तान धनंजय डिसिल्वा तुरंत प्रभाव से कप्तानी छोड़ने का ऐलान कर दिया. उन्होंने इस हवाले से सिलेक्शन कमेटी को एक पत्र लिखकर अपने इस फैसले से अवगत करा दिया है. उन्होंने कहा, 'मेरी सच्ची राय है कि कप्तानी की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए.' साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वह एक खिलाड़ी के तौर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध रहेंगे. श्रीलंका क्रिकेट के ब्म् एशले डी सिल्वा ने क्रिकेट के इस प्रारूप में योगदान के लिये धनंजय को धन्यवाद दिया और कहा, 'श्रीलंका क्रिकेट उन्हें भविष्य के लिये शुभकामना देता है और बतौर कप्तान योगदान के लिये धन्यवाद भी.'

बता दें कि धनंजय डिसिल्वा का ये बड़ा फैसला भारत से अपने घर में 1–0 से टेस्ट सीरीज हारने के कुछ हफ्तों बाद आया है. कप्तान के तौर पर वो उनकी आखिरी सीरीज थी. हालांकि सीरीज के आखिरी मैच में सोनल दिनुशा ने शानदार प्रदर्शन करके श्रीलंका को क्लीन स्वीप से बचा लिया था.धनंजय डिसिल्वा की कप्तानी में जीत

डीसिल्वा को जनवरी 2024 में दिमुथ करुणारत्ने की जगह टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया था. उन्होंने 18 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की और सात मैचों में जीत दिलाई. कप्तान के तौर पर, डीसिल्वा ने 18 मैचों में 36.45 की औसत से 1130 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और सात अर्धशतक शामिल थे. उन्होंने 9 विकेट भी लिए. हालांकि 35 वर्ष के धनंजय डिसिल्वा ने अपने करियर में 69 टेस्ट खेले हैं. जिसमें उन्होंने 13 शतक समेत 4400 से अधिक रन बनाए.

डीसिल्वा ने फरवरी 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच से अपनी कप्तानी की शुरुआत की, जिसमें टीम 10 विकेट से जीती. उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ उनके घर पर 2–0 से सीरीज जीतने में भी टीम की कप्तानी की. इस ऑलराउंडर ने श्रीलंका को ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ जीत दिलाने में मदद की, जो 2014 के बाद इंग्लैंड की धरती पर उनकी पहली टेस्ट जीत थी, हालांकि वे सीरीज 1–2 से हार गए थे. उनकी कप्तानी में श्रीलंका ने

परोपकार बनाम कॉरपोरेट पावरः मालिकाना हक और लीडरशिप के इस बड़े संकट में कितनी सुरक्षित है रतन टाटा की विरासत?

नई दिल्लीः टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स के बीच हाल ही में सामने आए मतभेदों ने लीडरशिप, ओनरशि. प, कॉरपोरेट गवर्नेंस और रतन टाटा की विरासत को लेकर कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं. क्या यह विवाद सिर्फ एन. चंद्रशेखरन को चेयरमैन पद पर बनाए रखने को लेकर है, या यह टाटा ग्रुप की परो. पकार की सोच और भविष्य की दिशा से जुड़ी किसी गहरी बहस का हिस्सा है?इन सभी गंभीर पहलुओं को समझने के लिए, ईटीवी भारत ने 'रतन टाटाः ए लाइफ' के लेखक और रतन टाटा के करीबी रहे डॉ. थॉमस मैथ्यू से एक विशेष इंटरव्यू में विस्तार से बातचीत की. नीचे इस पूरी बात. चीत को प्रस्तुत किया गया है

ईटीवी भारत : इस पूरे विवाद के पीछे असली वजह क्या है? क्या यह मुख्य रूप से एन. चंद्रशेखरन के कार्यकाल को आगे बढ़ाने को लेकर पैदा हुआ मतभेद है, या दांव पर कुछ और भी बड़े मुद्दे हैं?डॉ. थॉमस मैथ्यू : बुनियादी स्तर पर देखा जाए तो यह पूरा विवाद 'सोच और नजरिए के अंतर' की वजह से है. हमें यह बुनियादी बात समझनी होगी कि किसी भी कंपनी के मालिक का, उसकी मुख्य नीतियों पर सबसे बड़ा अधिकार होना चाहिए. इस मामले में टाटा ट्रस्ट्स (के पास टाटा संस की 66 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी है. यह दुनिया भर का एक सार्वभौमिक नियम है कि जिसके पास मालिकाना हक है, उसकी बात का वजन सबसे ज्यादा होना चाहिए.रतन टाटा के समय तक, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और टाटा संस के चेयरमैन एक ही व्यक्ति होते थे। वह एक ही व्यक्ति दोनों टोपियां पहनता था, इसलिए विचारों में कभी कोई मतभेद या अंतर नहीं आता था. लेकिन रतन टाटा ने अपने जीवनक. ाल में ही यह बेहद सोच–समझकर फैसला लिया कि भविष्य में इन दोनों पदों को अलग–अलग रखा जाना चाहिए.अब जो सबसे बड़ा मुद्दा है, वह यह है कि हम इस सिद्धांत से पीछे नहीं हट सकते कि टाटा ट्रस्ट्स ही टाटा संस का 66ः मालिक है. टाटा ट्रस्ट्स का पूरा अस्तित्व 100 प्रतिशत परोपकार और समाज सेवा के लिए है. पिछले 158 सालों से यह संगठन अलग–अलग रूपों में समाज की सेवा करता आ रहा है. लोग इसी बुनियादी सिद्धांत को भूल रहे हैं. मेरा मानना है कि टाटा संस का अपना कोई ऐसा अलग एजेंडा नहीं हो सकता जो टाटा ट्रस्ट्स की सोच और दिशा के विपरीत जाता हो. टाटा संस को उन्हीं टाटा कंपनियों का मार्गदर्शन करना है जो टाटा ट्रस्ट्स की सोच के दायरे में आती हैं.ईटीवी भारत : क्या रतन टाटा द्वारा साइरस मिस्त्री को चेयरमैन नियुक्त करने का फैसला इस बात का सबूत था कि वे बिजनेस को पूरी तरह प्रोफेशनल तरीके से चलाना चाहते थे और परिवार की संपत्ति को व्यक्तिगत संपत्ति न मानकर ट्रस्टों में रखना चाहते थे?डॉ. थॉमस मैथ्यू : टाटा ग्रुप को देश या दुनिया की अन्य सैकड़ों कंपनियों की तरह नहीं देखा जा सकता. कृपया इस बात को गहराई से समझें कि टाटा परिवार का एक भी सदस्य टाटा ट्रस्ट्स से एक पैसा भी अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए नहीं ले सकता. यह पूरी संपत्ति सिर्फ और सिर्फ समाज कल्याण और परोपकार के लिए समर्पित है. यहीं

प्ब्स 2027 में सौरव गांगुली को मिली बड़ी जिम्मेदारी, दिल्ली कैपिटल्स के बने हेड कोच

टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तानों में से एक सौरव गांगुली को प्ब्स 2027 में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है. उनको इंडियन प्रीमियर लीग (प्ब्स) के अगले सीजन के लिए दिल्ली कैपिटल्स का हेड कोच बनाया गया है. वो पूर्व हेड कोच हेमांग बदानी की जगह लेंगे, जिनकी कोचिंग में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था. पिछले सीजन में दिल्ली अंक तालि. का में छठे स्थान पर रही थी. गांग. ुली 2019 में दिल्ली टीम के सलाहक. ार बने थे.ये भी उल्लेखनीय है कि भारत के पूर्व कप्तान काफी समय से इस फ्रेंचाइजी के साथ काम कर रहे हैं. वो अभी भी फ्रेंचाइजी की पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए 'डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट' के तौर पर काम कर रहे हैंहेड कोच बनने पर गांगुली का बयानगांगुली ने कहा कि वह फ्रेंचाइजी के कोचिंग रोल की जिम्मेदारी संभालने के लिए उत्साहित हैं. फ्रेंचाइजी की ओर से जारी प्रेस रिलीज में गांगुली ने कहा, 'मैं प्ब्स में हेड कोच की भूमिका संभालने के लिए उत्साहित हूं. दिल्ली कैपिटल्स मेरे दिल के बहुत करीब है और इस फ्रेंचाइजी के साथ मेरा रिश्ता बरसों पुराना और मजबूत रहा है. मैंने मालिकों, मैनेजमेंट, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम किया है, इसलिए यह मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है.'फ्रेंचाइजी के बयान में गांगुली ने आगे कहा, 'हमारे पास एक प्रतिभाशाली टीम है और हमने हाल के समय में अच्छा क्रिकेट खेला

है. मैं टीम के साथ काम करने, नए सीजन और एक मजबूत और निडर टीम बनाने के लिए उत्साहित हूं.दिल्ली कैपिटल्स को पहले प्ब्स खिताब का इंतजारगांगुली के सामने दिल्ली कैपिटल्स को उनका पहला प्ब्स खिताब जिताने की मुश्किल चुनौती होगीः पंजाब किंग्स के अलावा, यह एकमात्र ऐसी फ्रेंचाइजी है जिसने अभी तक अपनी पहली ट्रॉफी नहीं जीती हैः दिल्ली 2020 में खिताब के सबसे करीब पहुंची थी, जब वह फाइनल में पहुंची थे, 2021 सीजन के बाद से वे प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाए हैं और पिछले साल छठे स्थान पर रहे थे.सौरव गांगुली का कोचिंग करियरगांगुली ने पहले क्ब के साथ एडवाइजर और डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के तौर पर काम किया है, लेकिन हेड कोच के तौर पर उन्होंने सिर्फ एक बार काम किया है. उन्हें 2025 में साउथ अफ्रीका की लीग 'ै20' में प्रिटोरिया कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया था. जोनाथन ट्रॉट की जगह लेने के बाद, उन्होंने टीम को 2025⁄26 सीजन के फाइनल तक पहुंचाया, लेकिन उन्हें सनराइजर्स ईस्टर्न केप से हार का सामना करना पड़ा.

सौरव गांगुली का प्ब्स करियर

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 2008 से 2012 तक कोलकाता नाइट राइडर्स (ज्ञाज्ञ) और पुणे वॉरियर्स इंडिया (च्ॅप्) के लिए खेला और दोनों टीमों की कप्तानी भी की. उन्होंने 59 मैचों में 1,349 रन बनाए, जिसमें सात

पाकिस्तान बाहर बांग्लादेश अंदर

हॉकी एशियन चौंपियंस ट्रॉफी 2026 का मेजबान भारत है. इसलिए टूर्नामेंट में पाकिस्तान हॉकी टीम के भाग लेने पर शुरू से खतरा मंडरा रहा था. हालांकि पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए पाकिस्तान की भागीदारी का दावा किया था. लेकिन इसके दो दिन बाद ही पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत में खेलने से इनकार कर दिया और अपने मैच को न्यूट्रल स्थान पर कराने की मांग की थी, जिसे खारिज कर दिया गया.

पाकिस्तान बाहर बांग्लादेश अंदर

न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल कर लिया है. हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश भाग लेंगे.बता दें कि मुंबई में 2008 के आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय हॉकी नहीं खेली गई है. पाकिस्तान ने आखिरी बार भारत में 2023 एशियाई चौम्पियंस ट्रॉफी खेली थी. जिसमें छह टीमों में वह पांचवें स्थान पर रहा था. पिछले साल भारत में हुए एशिया कप और जूनियर एशिया कप में भी पाकिस्तान ने भाग नहीं लिया था. जबकि भारतीय हॉकी टीम आखिरी बार 2006 में पाकिस्तान में सीरीज खेली थी.

आईटी शेयर्स में जोरदार तेजी, सेंसेक्स 879 अंक उछलाय निफ्टी 22,500 के पार बंद

मुंबईः भारतीय शेयर बाजार में पिछले दो दिनों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया. चौतरफा खरीदारी, आईटी (प्ज्) सेक्टर के शेयरों में आई भारी तेजी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते घरेलू शेयर बाजार शानदार बढ़त के साथ बंद हुए.

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (ठैम्) का सूचकांक सेंसेक्स 879.09 अंक या 1.23 फीसदी की मजबूती के साथ 72,472.33 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (छैम्) का निफ्टी 50 भी 288.65 अंक या 1.3 फीसदी उछलकर 22,520.45 के स्तर पर सफलतापूर्वक बंद होने में कामयाब रहा.बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि शुक्रवार की इस तेज रिकवरी से बाजार ने हाल ही में हुए अपने नुकसान का एक बड़ा हिस्सा वापस पा लिया है.सेक्टर्स और शेयरों का प्रदर्शन

शुक्रवार के कारोबार में दिग्गज कंपनियों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की.सबसे ज्यादा बढ़ने वाले शेयरः निफ्टी इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स, आईटीसी (प्ज्ब्) और आयशर मोटर्स सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे.

प्ज् सेक्टर में सबसे बड़ी तेजीः सभी सेक्टर्स में से निफ्टी आईटी इंडेक्स ने सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया. दूसरी तिमाही (फ2) के नतीजों की अच्छी शुरुआत और एआई (।प्) आधारित बिजनेस में बढ़ती संभावनाओं से आईटी शेयरों को बड़ा सहारा मिला. सुस्त रहे ये सेक्टरः दूसरी तरफ, कच्चे तेल की कीमतें गिरने की वजह से निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स दबाव में रहा और यह शुक्रवार का सबसे कमजोर सेक्टर साबित हुआ.

छोटे और मझोले शेयरः छोटे और मध्यम वर्ग के शेयरों में भी अच्छा उत्साह देखा गया. निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1.56 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.54 फीसदी बढ़कर बंद हुए.रुपया मजबूत और वैश्विक संकेतघरेलू शेयर बाजार के साथ–साथ भारतीय रुपये में भी शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली. रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 20 पैसे मजबूत होकर 96.73 के स्तर पर पहुंच गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक बातचीत की उम्मीदें बढ़ी हैं, जिससे वैश्विक बाजारों की चिंताएं कम हुई हैं.आगे क्या होगा?

बाजार के जानकारों का मानना है कि निवेशकों की नजर अब सोमवार को आने वाले देश के महंगाई (ब्च्प्) आंकड़ों पर रहेगी. आरबीआई (त्ठप्) द्वारा मौद्रिक नीति में किए गए हालिया बदलावों के बाद यह डेटा ब्याज दराछोटे और मझोले शेयर छोटे और मध्यम वर्ग के शेयरों में भी अच्छा उत्साह देखा गया. निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1.56 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.54 फीसदी बढ़कर बंद हुए.रुपया मजबूत और वैश्विक संकेतघरेलू शेयर बाजार के साथ–साथ भारतीय रुपये में भी शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली. रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 20 पैसे मजबूत होकर 96.73 के स्तर पर पहुंच गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों के बाद अमेरिका और ईरान के ' के भविष्य के लिए बेहद अहम होगा. इसके अलावा, दूसरी तिमाही के बाकी कंपनियों के नतीजे यह तय करेंगे कि बाजार की यह तेजी आगे कितनी टिक पाएगी.

श्वेता विजन
सच देखे। सही दिखाए

रजनीकांत की 'जेलर 2' का नहीं होगा ऑडियो लॉन्च, व्ज्ज पर देखने को मिलेगा ग्रैंड प्री–रिलीज इवेंट 'सुपर शो'

जो फैंस रजनीकांत को सामने देखने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा। 'जेलर 2' की टीम ने आम ऑडियो लॉन्च के बजाय डिजिटल लॉन्च करने का फैसला किया है। प्रोडक्शन हाउस 'सन पिक्चर्स' ने घोषणा की है कि वे जल्द ही फिल्म की टीम के साथ एक 'स्पेशल शो' स्ट्रीम करेंगे। 'जेलर 2' के लिए एक 'स्पेशल शो', जिसमें रजनीकांत और फिल्म की बाकी टीम शामिल होगी। वो ओटीटी पर देख सकते हैं। यहां जानिए डिजिटल प्री–रिलीज इवेंट कब और कहां देखें।'जेलर 2' का प्री–रिलीज इवेंट व्ज्ज पर होगा

'जेलर 2' का ग्रैंड प्री–रिलीज इवेंट 'सुपर शो' 9 अक्टूबर को सन एनएक्सटी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा। प्रोडक्शन हाउस ने घोषणा करते हुए लिखा, 'सुपरस्टार का सुपर शो! रुश्रपसमत2 सुपर शो के लिए तैयार हो जाइए। 9 अक्टूबर से सिर्फ /गदद•ज पर स्ट्रीमिंग।' छोटे प्रोमोशनल वीडियो में रजनीकांत, कलानिधि मारन, नेल्सन दिलीपकुमार, अनिरुद्ध रविचंदर, एसजे सूर्या, विद्या बालन, राम्या कृष्णन, सूरज वेंजारामूडु, मिर्ना और जानी मास्टर को शो की शूटिंग करते हुए दिखाया गया है। रजनीकांत की बात सुनने का इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक खास अपडेट है, उन्हें यह जानकर राहत मिलेगी कि 'जेलर 2' का किसी न किसी तरह प्रमोशन होगा। एक फैन ने कमेंट किया, 'वे खोखले दावे कर रहे थे, कोई ऑडियो लॉन्च नहीं, रजनी का कोई भाषण नहीं– सब इसलिए क्योंकि हमारे हीरो ने हरी झंडी नहीं दी, लेकिन अब सुपर शो आ रहा है, जिसमें खुद सुपरस्टार का भाषण होगा और फिल्म रिलीज होने से पहले ही इसका जबरदस्त असर होगा।' एक और फैन ने लिखा, 'वाह!! आखिरकार थलाइवर का भाषण सुनने को मिलेगा।'

जेलर 2 का रनटाइम

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (ब्थ्ब्) ने फिल्म को न्। 16 सर्टिफिकेट दे दिया है। इस सीक्वल का रनटाइम भी पता चल गया है। यह एक्शन–ड्रामा फिल्म 165 मिनट और 18 सेकंड की होगी यानी लगभग दो घंटे 45 मिनट लंबी। दिलचस्प बात यह है कि 'जेलर 2' अपनी पिछली फिल्म से सिर्फ तीन मिनट छोटी होगी। 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जेलर' की अवधि लगभग 168 मिनट थी। 'जेलर 2' में इन स्टार्स का होगा कैमियो

'जेलर 2' को नेल्सन दिलीपकुमार ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इसे सन पिक्चर्स के तहत कलानिधि मारन ने प्रोड्यूस किया है। यह 2023 की हिट फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है। रजनीकांत, राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और ऋत्विक इस फिल्म में अपनी भूमिकाएं दोहराएंगे। साथ ही

अक्टूबर में किस दिन आएगा विजय देवरकोंडा की 'रणबाली' का ट्रेलर, मेकर्स ने रिलीज डेट से उठाया पर्दा

हैदराबादः साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म रणबाली का इंतजार इस जोड़ी के फैंस को बेसब्री से है. फिल्म इसी महीने रिलीज होने जा रही है. इससे पहले फैंस को रणबाली के ट्रेलर का इंतजार है और अब मेकर्स ने रणबाली के ट्रेलर की रिलीज डेट का खुलासा हो चुका है. अब फैंस को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा. आइए जानते हैं आखिर कब रिलीज होगा रणबाली का ट्रेलर?

कब रिलीज होगा रणबाली का ट्रेलर?शादी के बाद विजय और रश्मिका पहली बार किसी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं. यह एक ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें विजय रणबाली के किरदार में नजर आएंगे और रश्मिका उनकी पत्नी का किरदार करेंगी. फिल्म रणबाली आगामी 16 अक्टूबर को रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले आने वाली 8 अक्टूबर को दुनिया के सामने रणबाली का ट्रेलर होगा. जी हां, रणबाली का ट्रेलर आगामी 8 अक्टूबर को रिलीज होने जा रहा है. मेकर्स ने फिल्म से विजय का एक शानदार पोस्टर शेयर कर इसकी जानकारी दी है.बता दें, रणबाली का निर्देशन राहुल सांकृत्यान ने किया है. टी–सीरीज की पेशकश और नवीन येरनेनी और वाई. रवि शंकर द्वारा मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले विशाल बजट में बनी यह फिल्म विजयदशमी के अवसर पर वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.इससे पहले, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के प्रमोशनल इंटरव्यू भी वायरल हो गए हैं और सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड भी कर रहे हैं. यहां यह स्टार कपल अपनी लाइफ पर खुलकर बोल रहा है और उम्मीद है कि ट्रेलर 'रणबली' को लेकर लोगों के बीच उत्साह और उत्सुकता को और भी बढ़ा देगा.फिल्म की कहानी के बारे में बता दें कि 19वीं सदी की पृष्ठभूमि पर आधारित, रणबली 1854 से 1878 के बीच ब्रिटिश शासनकाल में घटी वास्तविक ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है. अपनी अनूठी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भव्यता के कारण, इस फिल्म ने

प्यार या पागलपन? जहीर इकबाल के एकतरफा इश्क में फंसेंगी सोनाक्षी सिन्हा, क्या होगा इंतकाम?

हैदराबादः सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल एक बार फिर से बड़े पर्दे पर एक साथ दिखने वाले हैं. वे आगामी फिल्म 'तू है मेरी किरण' में एक साथ दिखेंगे. मेकर्स ने इस रोमांटिक थ्रिलर फिल्म का ट्रेलर आज, 6 अक्टूबर को लॉन्च किया है. यह एक ऐसे रिश्ते की झलक दिखाता है जिसमें प्यार धीरे–धीरे एक डरावने और जुनूनी मोड़ पर पहुंच जाता है. यह रोमांटिक थ्रिलर मिस्ट्री, सस्पेंस और चौंकाने वाले ट्विस्ट के जरिए एकतरफा प्यार की कहानी दिखाती है.

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने मंगलवार को इंस्टाग्राम हैंडल पर 'तू है मेरी किरण' का ट्रेलर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, 'एक कनेक्शन, दो रियलिटी, एक सच्चाई. तू है मेरी किरण. ट्रेलर आ गया है. 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.''तू है मेरी किरण' का ट्रेलरट्रेलर में सोनाक्षी को किरण और जहीर को समर के तौर पर दिखाया गया है. जिनका रिश्ता आम नहीं लगता. ट्रेलर की शुरुआत जहीर के वॉयस ओवर से होता है, जो समर और किरण के कनेक्शन के बारे में बताता है. समर का मानना घ्है कि उसके और किरण के बीच एक खास कनेक्शन है, लेकिन जिसे वह प्यार कहता है, वह जल्द ही काफी परेशान करने वाला लगने लगता है. क्योंकि उसका प्यार एकतरफा होता है.वह स्वीकार करता है कि कभी एकतरफा प्यार हुआ तो टूट जाएगा, इसलिए किरण को भी उससे प्यार करना होगा. यह सुनकर किरण समर से दूरी बनाने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है. एक समय पर, वह उससे कहती है कि उसे अकेला छोड़ दे. हालांकि, समर हार मानने से इनकार कर देता है, जिससे संकेत मिलता है कि किरण के प्रति उसका जुनून तो बस शुरू ही हुआ है.ट्रेलर उनके रिश्ते की असलियत को रहस्यमयी बनाए रखता है. कई सीन में तो हकीकत पर ही शक होता है. अजीब घटनाओं की वजह से किरण और दर्शक, दोनों ही सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि असल में क्या हो रहा है. ऐसे संकेत भी मिलते हैं कि कोई उसकी सोच को प्रभावित कर रहा है और उसे बर्बादी की कगार पर धकेल रहा है. समर का व्यवहार जैसे–जैसे पजेसिव होता जाता है, वैसे–वैसे तनाव बढ़ता जाता है. ट्रेलर एक डरावने मोड़ पर खत्म होता है, जिसमें बेहोश और घायल किरण की झलक देखने को मिलती है.'तू है मेरी किरण' के बारे में'तू है मेरी किरण' का निर्देशन करण रावल ने किया है. इसे विशाल राणा और एशेलॉन प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है. इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अहम भूमिका में है. 'तू है मेरी किरण' 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

'न्कजं ज्ममत' ज्तंपसमतः पाकिस्तानी जासूस बना हिंदुस्तानी देशभक्त, हंस–हंसकर लोटपोट कर देगी आयुष्मान खुराना–सारा की फिल्म का ट्रेलर

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी स्पाई कॉमेडी फिल्म 'उड़ता तीर' दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है. बुधवार, 23 सितंबर को फिल्म का मजेदार ट्रेलर जारी किया गया है. यह फिल्म कॉमेडी, एक्शन और जासूसी का एक मजेदार मिश्रण होने का वादा करती है, जिसमें आयुष्मान का किरदार एक मिशन में फंस जाता है.धर्मा प्रोडक्शन ने 23 सितंबर को उड़ता तीर का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, 'पेश है जबरदस्त कॉमेडी. ऐसी जो पहले कभी नहीं देखी. तैयार हो जाइए, क्योंकि यह मिशन एक रोलरकोस्टर

राइड जैसा है.'

'उड़ता तीर' का ट्रेलर

'उड़ता तीर' के ट्रेलर की शुरुआत पाकिस्तान के मिलिट्री ऑफिस से होता है. वॉयज ओवर में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि हिंदुस्तानी एक के एक जासूस पाकिस्तान में भेज रहा है. लेकिन अब पाकिस्तान, हिंदुस्तान में अपना जासूस भेजेगा. 3 मिनट 18 सेकंड के इस ट्रेलर में आयुष्मान खुराना को बिलाल अहमद के तौर पर दिखाया गया है, जो एक पाकिस्तानी जासूस है और उसे एक मिशन पर भारत भेजा जाता है. लेकिन, एक धमाके में बिलाल की याददाश्त चली जाती है और कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है. अपनी पहचान को लेकर उलझन में रहने के बाद, आखिरकार

फिल्म 'नई नवेली' पर बात, नेशनल अवार्ड जीतने के बाद कैसी है लाइफ?, जानिए क्या बोलीं यामी

25 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने कमाए 330 करोड़ रुपये, मलयालम सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बनी 'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट'

बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फिल्मों की सफलता अक्सर उनके भारी–भरकम बजट और सितारों की लोकप्रियता से जोड़कर देखी जाती है, लेकिन मलयालम सिनेमा की फिल्म 'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट' ने साबित कर दिया है कि अच्छी कहानी और दर्शकों से जुड़ाव किसी फिल्म को बड़ी कामयाबी दिला सकता है। निर्देशक गिरीश एडी की इस रोमांटिक कॉमेडी में निविन पॉली और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। महज 25 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 330 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। इसके साथ ही फिल्म ने मलयालम सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में पहला स्थान हासिल कर लिया है। कम लागत और शानदार कमाई के कारण यह फिल्म अब इंडस्ट्री में चर्चा का बड़ा विषय बन गई है।

25 करोड़ का बजट, दुनियाभर में 330 करोड़ से ज्यादा कमाई

'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट' की सबसे बड़ी खासियत इसकी कमाई और बजट के बीच का अंतर है। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 330.93 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसमें भारत से 192.48 करोड़ रुपये और विदेशी बाजारों से 138.45 करोड़ रुपये की कमाई शामिल है। फिल्म का भारत में नेट कलेक्शन 164.91 करोड़ रुपये बताया गया है। निर्देशक गिरीश एडी ने हाल ही में क्लब एफएम के साथ बातचीत में फिल्म के बजट का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इसे बनाने में करीब 25 करोड़ रुपये खर्च हुए। इस तरह फिल्म ने अपने शुरुआती बजट के मुकाबले 13 गुना से भी अधिक का वैश्विक बॉक्स ऑफिस कलेक्शन दर्ज किया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर कुल कमाई और निर्माताओं को मिलने वाला वास्तविक मुनाफा अलग–अलग होता है, क्योंकि इसमें थिएटरों का हिस्सा, वितरण और अन्य खर्च भी शामिल होते हैं।बड़े बजट की फिल्मों पर भारी पड़ी छोटी फिल्म

गिरीश एडी का मानना है कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में बजट का पैमाना समय के साथ बदल गया है। उन्होंने बातचीत में कहा कि उनकी अब तक की फिल्मों को बड़े बजट की फिल्में नहीं कहा जा सकता। पहले मलयालम सिनेमा में 10 करोड़ रुपये का बजट भी काफी बड़ा माना जाता था, लेकिन अब यह सामान्य होता जा रहा है। निर्देशक के मुताबिक 'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट' का बजट करीब 25 करोड़ रुपये था, लेकिन इसे बहुत बड़ी फिल्म नहीं कहा जा सकता। उन्होंने यह भी बताया कि वह धीरे–धीरे अपने करियर में आगे बढ़ रहे हैं और अचानक किसी बेहद बड़े बजट की फिल्म बनाने की योजना नहीं रखते। अगर भविष्य में ऐसा प्रोजेक्ट बनाते हैं तो वह किसी सुपरस्टार के साथ होना चाहिए। फिल्म की कामयाबी ऐसे समय में सामने आई है, जब बड़े बजट की कई फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में यह फिल्म दिखाती है कि दर्शकों की पसंद को समझना और मजबूत कहानी पेश करना कितना अहम है।

'लोकाह' और 'एम्पुरान' को भी छोड़ा पीछे'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट' ने मलयालम सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में दूसरे स्थान पर डोमिनिक अरुण की 'लोकाह चैप्टर 1: चंद्रा' है, जिसमें कल्याणी प्रियदर्शन मुख्य भूमिका में थीं। साल 2025 में रिलीज हुई इस फिल्म ने करीब 30 करोड़ रुपये के बजट के

published by KALIDINDI SUMALATHA from 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA - 500020. on behalf of RS USAR PUBLICATIONS, edited by RAGHURAMA RAJU KALIDINDI and printed by KALIDINDI SUMALATHA at KING DIGITAL OFFSET PRINTERS, 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA – 500020. PRGI NO: TGHIN/26/A7665, Email: rsusarp@myyahoo.com, 9849350555, 9515121467